



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

वर्ष-14 अंक-296

कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में

उरई (जालौन) गुरुवार 08 अक्टूबर 2026

youngbharatepaper.com

सपा ने काम कम, कांड-कारनामे ज्यादा किए', सपा पर बरसे पंकज चौधरी, 34 साल के राजनीतिक सफर का गिनाया हिसाब



(यंग भारत न्यूज)
लखनऊ: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा ने भले ही लोहिया के आदर्शों के नाम पर अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की हो, लेकिन उत्तर प्रदेश में उसकी तीन सरकारों के कार्यकाल को देखें तो काम कम और कांड-कारनामे ज्यादा नजर आते हैं। रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय, लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में चौधरी ने सपा के राजनीतिक सफर से जुड़े



विभिन्न मामलों और मुद्दों का उल्लेख किया। पंकज चौधरी ने कहा कि सपा के राजनीतिक सफर की शुरुआत से ही उसका इतिहास गंभीर विवादों से जुड़ा रहा है। उन्होंने 1994 के रामपुर तिराहा कांड का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखंड राज्य की मांग कर रहे आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज और महिलाओं के साथ अभद्रता की घटनाएं हुई थीं। उन्होंने अगले वर्ष 1995 के लखनऊ गेस्ट हाउस कांड का भी उल्लेख किया और कहा कि इन घटनाओं ने सपा की राजनीतिक कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि 2012 में अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद सत्ता का केंद्र

परिवार के भीतर रहा। डिंपल यादव को निर्विरोध निर्वाचित कराने के लिए उनके प्रतिद्वंद्वियों को कथित धमकी दिए जाने, मुख्यमंत्री द्वारा लगभग 50 विभाग अपने पास रखने तथा बिजली आपूर्ति में चुनिंदा वीआईपी जिलों को प्राथमिकता दिए जाने जैसे मुद्दों ने तत्कालीन सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। पंकज चौधरी ने कहा कि इसी दौर में सपा कार्यकर्ताओं द्वारा थानों में हस्तक्षेप और कानून अपने हाथ में लेने के आरोप भी सामने आते रहे। यादव सिंह प्रकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मामले में सीबीआई जांच और संपत्तियों की जांच हुई। उन्होंने 2012 से 2017 के बीच यश भारती पुरस्कारों के वितरण को लेकर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि पुरस्कारों के वितरण में पारदर्शिता और निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। 2013 के

मुजफ्फरनगर दंगों का उल्लेख करते हुए चौधरी ने तत्कालीन मंत्री आजम खान पर अधिकारियों के कामकाज में हस्तक्षेप और एक विशेष वर्ग के लोगों को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस हिंसा में 60 से अधिक लोगों की मौत और 50 हजार से अधिक लोगों के विस्थापन की बात सामने आई। उन्होंने सहारनपुर सरकार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने मुफ्त लैपटॉप योजना और बेरोजगारी भत्ते को लेकर भी सपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि लगभग 15 लाख लैपटॉप की खरीद के बावजूद करीब 6 लाख ही वितरित किए गए और सीएजी ऑडिट में इससे जुड़े तथ्य सामने आए। बेरोजगारी भत्ते के नाम पर 20.58 करोड़ रुपये के वितरण के मुकाबले प्रचार पर 15.06 करोड़ रुपये खर्च किए जाने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं के नाम पर योजनाएं बनाना अलग बात है और उनका पारदर्शी तरीके से लाभ पहुंचाना अलग।

कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने सीएम योगी को लिखा पत्र, बाढ़ पीड़ितों के लिए कर दी बड़ी मांग

(यंग भारत न्यूज)
लखनऊ: उत्तर प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य तेज करने और फसल नुकसान का आकलन करके किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। मोना मिश्रा ने मुख्यमंत्री योगी को लिखे पत्र में कहा कि चक्रवाती बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है और राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ है और हजारों लोग पलायन को मजबूर हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लखनऊ के इटौंजा और बख्शी का तालाब क्षेत्रों में फसलें जलमग्न हो गई हैं। उन्होंने कहा कि फैजुल्लागंज में तटबंध नहीं होने के कारण 35 हजार से अधिक घरों में पानी भर गया है। उन्होंने पत्र में कहा कि मामा कॉलोनी,



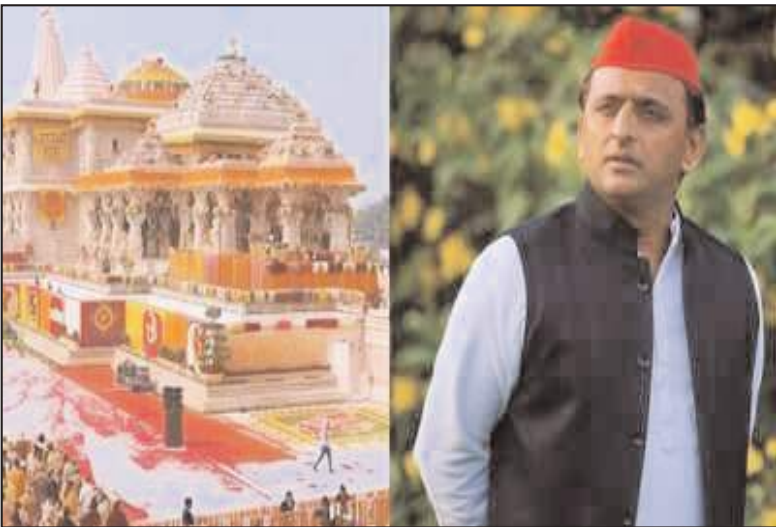
दाउदनगर, लोहरामऊ और घैला समेत आसपास के इलाकों में भी जलभराव से स्थिति खराब है। आराधना मिश्रा ने पत्र में कहा कि लखीमपुर में शारदा नदी के कटान और गोला के रूरा सुल्तानपुर व बिजुआ में बाढ़ का असर है। उन्होंने कहा कि सीतापुर में सराय नदी का जलस्तर बढ़ने से कई मोहल्ले प्रभावित हैं। साथ ही हरदोई के संडौला और स्वायंजपुर, बाराबंकी, अयोध्या और बलरामपुर में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र में कहा कि बाढ़ के

कारण हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और प्रभावित लोगों के सामने भोजन, पेयजल व स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने संक्रमण और बीमारियों के खतरे को देखते हुए प्रभावित इलाकों में तत्काल स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। सरकार से फसल नुकसान का समुचित सर्वेक्षण कराकर किसानों को मुआवजा देने और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत एवं वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

अखिलेश का अयोध्या दौरा पश्चाताप का अवसर', भाजपा बोली- रामलला के दर्शन कर पुराने पापों के लिए माफी मांगें

(यंग भारत न्यूज)
लखनऊ: उत्तर प्रदेश में चुनाव से पहले सियासी घमासान तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने सपा-कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर चल रही बयानबाजी को गठबंधन नहीं, बल्कि 'लठबंधन' करार दिया। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 2017 से भी बड़ी जीत दर्ज करेगी। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि मुस्लिम वोटों को लेकर खींचतान मची हुई है। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और एआईएमआईएम सभी का फोकस मुस्लिम वोटों को अपने पाले में करने पर है। उन्होंने कहा, 'मुस्लिम कौम भी इस बात को महसूस कर रही है कि वोट बैंक

बनाकर सबने अपना बैंक बैलेंस बढ़ाया, लेकिन कैसे उनकी परेशानी दूर हो और उनकी तरक्की हो, इसके बारे में तो केवल प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी ने सोचा।' राकेश त्रिपाठी ने कहा कि कोई भी गठबंधन बनाने की कोशिश करे या आरोप-प्रत्यारोप लगाए, इस बार परिस्थितियां बदलने जा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि 2027 में भाजपा 2017 से ज्यादा बड़ी जीत हासिल करेगी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे को लेकर भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि अखिलेश यादव को अयोध्या कभी भी अच्छी नहीं लगेगी। उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश यादव अयोध्या जाएंगे तो वहां 50 हजार करोड़



रुपये से ज्यादा की विकास परियोजनाएं भी देख पाएंगे और शायद पश्चाताप कर पाएंगे कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने अयोध्या को क्यों भुला दिया था। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव रामलला के दर्शन करने के लिए अब तक नहीं गए हैं। राकेश त्रिपाठी ने कहा कि अगर वह अब अयोध्या जाकर क्षमा याचना कर लें तो शायद उनके किए गए पुराने पापों के लिए कुछ माफी मिल सकेगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि मजहबूबी वोट बैंक और तुष्टिकरण का मामला होने के कारण

अखिलेश यादव के लिए यह काम बहुत मुश्किल है। उन्होंने दावा किया कि अखिलेश यादव अब भी प्रभु रामलला के दर्शन नहीं कर पाएंगे। सपा-कांग्रेस के बीच चल रही बयानबाजी को लेकर राकेश त्रिपाठी ने कहा कि यहां हाथ में हाथ नहीं, बल्कि दो-दो हाथ हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी गठबंधन की बजाय 'लठबंधन' बनाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि रोज बयानबाजी हो रही है। कांग्रेस पार्टी के नेता सपा के खिलाफ और सपा के नेता कांग्रेस के खिलाफ बयान दे रहे हैं। अब तो अखिलेश यादव सोशल मीडिया से सीधे हमला बोल रहे हैं। प्रत्यक्ष बातचीत की संभावना समाप्त होती नजर आ रही है। राकेश त्रिपाठी ने कहा कि अखिलेश यादव के

बयान पर इमरान मसूद पलटवार कर रहे हैं। ऐसे में यह गठबंधन नहीं, बल्कि केवल 'लठबंधन' होगा। मल्लिकार्जुन खड़गे के 'अवैध पीएम और गृहमंत्री' वाले बयान पर राकेश त्रिपाठी ने कहा कि उन्हें यह बात सबसे पहले राहुल गांधी से कहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी रायबरेली से और प्रियंका वाड़ा वायनाड से जो अवैध तरीके से निर्वाचित हुए हैं, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि केरल, कर्नाटक और हिमाचल की उनकी सरकारों को भी इस्तीफा दे देना चाहिए। राकेश त्रिपाठी ने कहा कि खड़गे साहब को खुद इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि वह उन्होंने विधायकों के दम पर राज्यसभा पहुंचे हैं, जिनका निर्वाचन अवैध है।

नर्सिंग होमों में जान और पैसा दोनों का होम करने के बावजूद नही सामने आ रहा किसी भी जांच का परिणाम नर्सिंग होमों पर सवालियों का पहरा, शिकायतों के बावजूद कार्रवाई का इंतजार

पीड़ित परिवारों ने अब डीएम से की घटनाओं का संज्ञान लेकर कठोर कार्यवाही करने की मांग

मरते मरीज और रोते तीमारदारों की दारुण दशा नही दिख रही है सत्ताधारी भाजपा के दिग्गज नेताओं को

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज़)

उरई, जालौन। जनपद में संचालित नर्सिंग होमों और निजी अस्पतालों की व्यवस्थाओं को लेकर आए दिन शिकायतें सामने आ रही हैं। मरीजों और उनके तीमारदारों की ओर से इलाज में लापरवाही, मानकों की अनदेखी, इलाज के नाम पर अधिक धन वसूले जाने तथा अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि शिकायतों की गंभीरता से जांच कर जिम्मेदारी तय नहीं की गई तो मरीजों की परेशानी का सिलसिला थमना मुश्किल होगा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कुछ निजी अस्पतालों में इलाज कराने पहुंचे मरीजों को चिकित्सकीय सेवाओं के साथ कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आरोप है कि इलाज



शुरू होने के बाद मरीज और उनके तीमारदारों को खर्च की जानकारी स्पष्ट रूप से नहीं दी जाती। कई मामलों में उपचार के दौरान लगातार बढ़ते खर्च को लेकर भी शिकायतें सामने आती रही हैं। हालांकि इन आरोपों की

वर्तमान सीएमओ के आने के बाद से बदनाम नर्सिंग होमों में लालची डॉक्टरों की लापरवाही और अनुभवहीनता से जा चुकी है अब तक 5 जाने

वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है। लोगों का कहना है कि नर्सिंग होम का पंजीकरण, चिकित्सकों की उपलब्धता, पैरामेडिकल स्टाफ की योग्यता, आवश्यक उपकरण, इमरजेंसी सुविधाएं, साफ-सफाई और मरीजों की सुरक्षा जैसे मानकों की नियमित जांच जरूरी है। यदि किसी अस्पताल में निर्धारित मानक पूरे नहीं हैं तो स्वास्थ्य विभाग को नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि केवल चिकित्सक के पास डिग्री होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि मरीजों के उपचार के लिए आवश्यक अनुभव, विशेषज्ञता और प्रशिक्षित स्टाफ की उपलब्धता भी महत्वपूर्ण है। इलाज के दौरान होने वाली किसी भी गंभीर घटना की स्थिति में यह स्पष्ट होना चाहिए कि उपचार किस

चिकित्सक ने किया और अस्पताल में उस समय कौन-कौन से प्रशिक्षित कर्मचारी मौजूद थे। जनपदवासियों का आरोप है कि कई नर्सिंग होमों को लेकर समय-समय पर स्वास्थ्य विभाग के सामने शिकायतें पहुंचती रही हैं। इसके बावजूद शिकायतों पर हुई जांच और कार्रवाई की स्थिति आम लोगों के सामने स्पष्ट नहीं हो पाती। लोगों की मांग है कि स्वास्थ्य विभाग सभी शिकायतों की क्रमवार जांच कर उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किन अस्पतालों में जांच हुई और किन मामलों में नियमों का उल्लंघन पाया गया। जिला प्रशासन से मांग की गई है कि जनपद के सभी नर्सिंग होम और निजी अस्पतालों की व्यापक जांच कराई जाए। जांच में भवन, पंजीकरण, चिकित्सकों की योग्यता, स्टाफ, उपकरण, दवाओं के रखरखाव, इमरजेंसी व्यवस्था और मरीजों से लिए जा रहे शुल्क समेत सभी बिंदुओं को शामिल किया जाए। साथ ही

जनपद में सीएमओ को महीना बांधकर धांधल गर्दी की सीमाएं पर कर रहे हैं कई बिगड़ैल नर्सिंग होम

जिन अस्पतालों में गंभीर अनियमितता मिले, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित न रहे। जांच के बाद कार्रवाई की स्थिति भी सार्वजनिक होनी चाहिए, जिससे मरीजों को यह भरोसा हो सके कि शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। अब देखा यह है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेते हैं और नर्सिंग होमों की जांच कर उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करते हैं या फिर शिकायतों का सिलसिला यूं ही चलता रहता है।

» सीएमओ की कार गुजारियों से उठा जनता का विश्वास
» मरीजों से इलाज के नाम पर मनमानी वसूली और लापरवाही के आरोप, जांच की मांग
» कुछ निजी अस्पतालों में मानकों और स्टाफ की योग्यता को लेकर भी उठ रहे सवाल
» लोगों का आरोप-शिकायतों के बाद भी कार्रवाई और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होती
» जिला प्रशासन से नर्सिंग होमों की व्यापक जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

अस्पताल बना मंडप, आईसीयू में दूल्हे ने भरी दुल्हन की मांग. प्रेम की ये कहानी कर देगी भावुक

(यंग भारत न्यूज)

घर में शहनाइयां गुंज रही थीं, रिश्तेदारों की चहल-पहल थी और दुल्हन पूजा यादव अपने जीवन के सबसे खास दिन का इंतजार कर रही थी. लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर् था. बता दें कि एलएलबी अंतिम सेमेस्टर का पेपर देकर पूजा अपने भाई के साथ बाइक से घर लौट रही थी.रास्ते में अचानक उसे चक्कर आया और वह बाइक से गिर गई. सिर में गंभीर चोट लगी, खून बहने लगा और देखते ही देखते शादी का घर मातम जैसी चिंता में डूब गया. आनन-फानन में परिवार वाले उसे गोरखपुर के दाउदपुर स्थित आर्यन हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे आईसीयू में भर्ती कर दिया. दरअसल, ये घटना गोरखपुर के बांसगांव थाना क्षेत्र के हटवार गांव की बताई जा रही है, जानकारी के मुताबिक, गांव निवासी पूजा यादव की शादी महादेवा बाजार के महुआ निवासी सन्नी यादव से वय थी. 13 मई 2026 को दोनों की शादी होनी थी. शादी की



तैयारियां पूरी हो चुकी थीं और घर में खुशी का माहौल था. इसी बीच शादी वाले दिन एक हादसे ने सबको परेशान कर दिया. बताया जा रहा है कि पूजा यादव एलएलबी अंतिम सेमेस्टर की छात्रा हैं. शादी के दिन भी वह अपने भाई के साथ संतकबीरनगर स्थित कॉलेज में परीक्षा देने गई थीं. परीक्षा खत्म होने के बाद दोनों बाइक से घर लौट रहे थे. रास्ते में अचानक

पूजा को चक्कर आ गया और वह बाइक से नीचे गिर गई. हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट लगी और काफी खून बहने लगा. घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और घायल पूजा को गोरखपुर के दाउदपुर स्थित आर्यन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया. दुल्हन के

अस्पताल में भर्ती होने की खबर जब दूल्हे और उसके परिवार को मिली तो दोनों पक्षों के लोग अस्पताल पहुंचे. डॉक्टरों ने बताया कि पूजा खतरे से बाहर हैं, लेकिन उन्हें अभी अस्पताल से छुट्टी नहीं दी जा सकती. इसके बाद दोनों परिवारों ने तय किया कि शादी तय मुहूर्त पर ही कराई जाएगी. 13 मई की रात दूल्हा सन्नी यादव बारात लेकर अस्पताल पहुंचा.

आईसीयू के बाहर शादी की रस्मों की तैयारी की गई. अस्पताल के बेड पर भर्ती दुल्हन के पास पहुंचकर दूल्हे ने उसकी मांग में सिंदूर भरा. पंडित ने मंत्रोच्चार के बीच दोनों को सात वचन भी दिलाए. इस दौरान दूल्हा शादी के परिधान में नजर आया, जबकि दुल्हन अस्पताल के कपड़ों में ही बेड पर लेटी रही. रात करीब एक बजे शादी की रस्म पूरी हुई. इसके बाद दूल्हा वापस गांव लौटा, जहां पारंपरिक शादी की बाकी रस्में पूरी की गई. इस अनोखी शादी की चर्चा अब पूरे इलाके में हो रही है और लोग दूल्हे के फैसले की सराहना कर रहे हैं.

पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी नेटवर्क पर यूपी एटीएस का बड़ा एक्शन, 15 जिलों में एक साथ छापेमारी, कई संदिग्ध हिरासत में

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में सीमा पार से संचालित आतंकी और आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ यूपी एंटी टेरिस्ट स्कवॉड (एटीएस) ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। भारत सरकार की ओर से आतंकवादी घोषित किए गए पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के भारत मेंफैले नेटवर्क की जांच के तहत यूपी एटीएस की अलग-अलग टीमों ने प्रदेश के 15 जिलों में एक साथ छापेमारी की। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर भारत-नेपाल सीमा से सटे जिलों तक चलाए गए इस अभियान में करीब आधा दर्जन संदिग्धों को हिरा सत में लिए जाने की जानकारी सामने आई है। हिरासत में लिए गए संदिग्धों से सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं।

खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर यूपी एटीएस ने अलग-अलग जिलों में एक साथ कार्रवाई की। अभियान का दायरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ ही तराई और भारत-नेपाल सीमा से लगे इलाकों तक बताया गया है। एटीएस की टीमें शहजाद भट्टी के नेटवर्क से जुड़े स्थानीय सहयोगियों और संदिग्धों के ठिकानों की तलाशी ले रही हैं। कार्रवाई के दौरान मोबाइल फोन, लैपटॉप, हार्ड डिस्क



जैसे डिजिटल उपकरणों के साथ संदिग्ध वित्तीय दस्तावेज और डायरियां भी जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एटीएस पहले से गिरफ्तार किए गए संदिग्धों से मिली जानकारी के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका और संपर्कों की जांच कर रही है। यूपी एटीएस की कार्रवाई में शहजाद भट्टी के नेटवर्क से जुड़े कश्ति फंडिंग और लॉजिस्टिक्स की भी जांच की जा रही है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि नेटवर्क से जुड़े लोगों के बीच किस तरह संपर्क बनाए जा

रहे थे और संदिग्ध गतिविधियों के लिए संसाधनों की व्यवस्था कैसे की जा रही थी। जांच एजेंसियों के मुताबिक, शहजाद भट्टी पाकिस्तान में रहकर कथित तौर पर सीमा पार से भारत में अपने नेटवर्क को संचालित कर रहा था। यूपी एटीएस पहले भी उसके नेटवर्क से जुड़े संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। मई 2026 में शहजाद भट्टी के नेटवर्क से जुड़े कश्ति फंडिंग और लॉजिस्टिक्स की भी जांच की जा रही है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि नेटवर्क से जुड़े लोगों के बीच किस तरह संपर्क बनाए जा

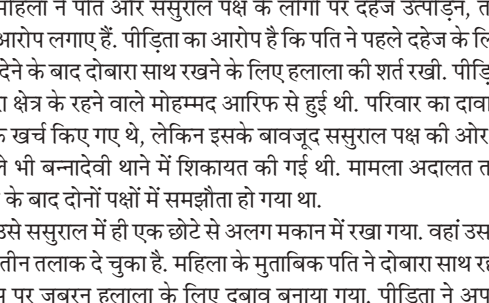
हैंडलर्स से संपर्क की जांच की गई थी। एटीएस की कार्रवाई में हिरासत में लिए गए संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इन लोगों के संपर्क किन लोगों से थे और शहजाद भट्टी के नेटवर्क के साथ उनकी क्या भूमिका या कड़ी थी। इससे पहले यूपी एटीएस ने शहजाद भट्टी से जुड़े मामलों में गिरफ्तार किए गए लोगों से पूछताछ के आधार पर 150 से अधिक संदिग्धों की गतिविधियों और संपर्कों की जांच शुरू की थी। शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े संदिग्धों की तलाश में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ ही इंडो-नेपाल बॉर्डर से लगे इलाकों में भी कार्रवाई की जा रही है। इन इलाकों में एटीएस की टीमें संदिध ठिकानों और उनसे जुड़े संपर्कों की पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ और छापेमारी के दौरान मिले डिजिटल उपकरणों व दस्तावेजों की जांच से नेटवर्क की अन्य कड़ियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल एटीएस का यह अभियान जारी है। पूछताछ और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अलीगढ़ में तीन तलाक के बाद जबरन होता रहा हलाला, 15 दिन कमरे में बंधक बनाकर रखने का दावा, ताला तोड़कर पुलिस ने महिला को छुड़ाया

(यंग भारत न्यूज)

अलीगढ़ के बन्नादेवी थाना क्षेत्र में एक महिला ने पति और ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज उत्पीड़न, तीन तलाक और जबरन हलाला कराने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं. पीड़िता का आरोप है कि पति ने पहले दहेज के लिए उसके साथ मारपीट की और फिर तीन तलाक देने के बाद दोबारा साथ रखने के लिए हलाला की शर्त रखी. पीड़िता के परिजनों के मुताबिक, उसकी शादी भुजपुरा क्षेत्र के रहने वाले मोहम्मद आरिफ से हुई थी. परिवार का दावा है कि निकाह में करीब 15 लाख रुपये से अधिक खर्च किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद ससुराल पक्ष की ओर से दहेज की मांग जारी रही. इसी को लेकर पहले भी बन्नादेवी थाने में शिकायत की गई थी. मामला अदालत तक पहुंचा तो आरोपी पक्ष की ओर से माफी मांगने के बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया था.

पीड़िता का आरोप है कि समझौते के बाद उसे ससुराल में ही एक छोटे से अलग मकान में रखा गया. वहां उसके पति ने फिर मारपीट की और कहा कि वह उसे तीन तलाक दे चुका है. महिला के मुताबिक पति ने दोबारा साथ रहने के लिए हलाला की शर्त रखी. इसके बाद उस पर जबरन हलाला के लिए दबाव बनाया गया. पीड़िता ने अपनी शिकायत में पति के भाइयों असलम, आदिल और आरिश पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं. उसका दावा है कि उसे



के मुताबिक इसी दौरान मौलवी को बुलाकर देवर आदिल के साथ उसका निकाह कराया गया. आरोप है कि करीब आठ दिन तक उसे इसी रिस्ते में रहने के लिए मजबूर किया गया. विरोध करने पर तेजाब डालने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है. पीड़िता ने बताया कि बीते 9 सितंबर की रात करीब 2:15 बजे उसे मौका मिला तो उसने अपनी बहन और दुबई में रहने वाले भाई को व्हाट्सएप पर संदेश भेजकर पूरी घटना की जानकारी दी. परिजनों ने तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का ताला तोड़कर महिला को बाहर निकाला. पुलिस कार्रवाई के बाद पीड़िता को सुरक्षित बाहर लाया गया. घटना के बाद करणी सेना के पदाधिकारी भी पीड़िता के साथ एसपी सिटी कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई की मांग की. एसपी सिटी आदित्य बंसल के मुताबिक महिला की शिकायत को गंभीरता से लिया गया है. उन्होंने स्थानीय पुलिस को मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपों के आधार पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. पीड़िता ने पति मोहम्मद आरिफ और उसके भाइयों आदिल, असलम व आरिश के खिलाफ शिकायत देकर न्याय की मांग की है. मामले में लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट होगी. -पवन तोमर की रिपोर्ट



करीब 15 दिन तक कमरे में बंधक बनाकर रखा गया. महिला के परिजनों ने तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का ताला तोड़कर महिला को बाहर निकाला. पुलिस कार्रवाई के बाद पीड़िता को सुरक्षित बाहर लाया गया. घटना के बाद करणी सेना के पदाधिकारी भी पीड़िता के साथ एसपी सिटी कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई की मांग की. एसपी सिटी आदित्य बंसल के मुताबिक महिला की शिकायत को गंभीरता से लिया गया है. उन्होंने स्थानीय पुलिस को मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपों के आधार पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. पीड़िता ने पति मोहम्मद आरिफ और उसके भाइयों आदिल, असलम व आरिश के खिलाफ शिकायत देकर न्याय की मांग की है. मामले में लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट होगी. -पवन तोमर की रिपोर्ट

क्रॉस-वोटिंग से 2027 के चुनाव तक, अखिलेश ने तीसरा उम्मीदवार उतारने का प्लान क्यों बदला?

(यंग भारत न्यूज)

16 अक्टूबर को होने वाले उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव होंगे। इन चुनावों के लिए समाजवादी पार्टी ने मंगलवार को अपना तीसरा उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया। मंगलवार नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख थी।



इसके साथ ही भाजपा के 8 और सपा के 2 उम्मीदवारों के निर्बिरोध चुने जाने का रास्ता साफ हो गया। सपा ने कुछ दिन पहले संकेत दिया था कि वह तीसरा उम्मीदवार उतार सकती है। लेकिन तीसरे उम्मीदवार को जिताने के लिए जरूरी संख्या जुटाने और करीब चार महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी ने अपना फैसला बदल दिया। सपा अध्यक्ष और

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यह फैसला पार्टी के वरिष्ठ विधायक रविदास मेहरोत्रा के उस बयान के एक दिन बाद लिया जिसमें उन्होंने कहा था कि राज्यसभा के तीसरे उम्मीदवार को उतारने की तैयारी पूरी हो चुकी है। हालांकि, मंगलवार सुबह अखिलेश यादव ने झू पर लिखा, ‘अब हमारी नजर तीन पर नहीं,

के साथ पिछले एक हफ्ते से चल रहा राजनीतिक संर्रसें भी खत्म हो गया। अब राज्यसभा चुनाव में भाजपा और सपा के बीच मुकाबला नहीं होगा। दोनों पार्टियों के पास क्रमशः सात और दो सीटें उम्मीदवार को उतारने की तैयारी पूरी हो चुकी है। सपा पहले ही पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राम गोपाल यादव और रिलायंस के अधिकारी धनराज

नाथवानी को उम्मीदवार बना चुकी है। राम गोपाल यादव राज्यसभा में अपना छठा कार्यकाल चाहते हैं। 40 साल के धनराज नाथवानी रिलायंस के इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के कॉर्पोरेट अफेयर्स डायरेक्टर परिमल नाथवानी के बेटे हैं। परिमल नाथवानी जून 2026 में झारखंड से एनडीए समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर राज्यसभा के लिए फिर चुने गए थे। यह उनका लगातार चौथा कार्यकाल है। 403 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधानसभा में फिलहाल 396 विधायक हैं। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए उम्मीदवार को 37 पहली पसंद के वोट चाहिए। सपा के पास 101 विधायक हैं। हालांकि उसकी प्रभावी संख्या 100 है क्योंकि चायल से सपा विधायक पूजा पाल भाजपा में शामिल हो चुकी हैं और फिलहाल

बीजेपी की प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। कांग्रेस के दो विधायकों के समर्थन के साथ सपा के पास 102 वोट हैं। यानी तीसरे उम्मीदवार को जिताने के लिए जरूरी 37 वोटों के मुकाबले पार्टी को नौ और पहली पसंद के वोट चाहिए थे। सपा के सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी के आठवां उम्मीदवार उतारने के फैसले के बाद पार्टी ने अपने गणित पर दोबारा विचार किया। सूत्रों का दावा है कि भाजपा के कुछ विधायक सपा के संपर्क में थे लेकिन विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले वे खुले तौर पर बग़ावत करने से हिचक रहे थे। भाजपा के पास 255 विधायक हैं। उसके एनडीए सहयोगियों के पास 33 विधायक हैं। इनमें अपना दल (र) के 13, रातोदर के 9, SBSP के 6 और निगदह पार्टी के 5 विधायक शामिल हैं। पूजा पाल के अलावा सपा

से निकाले गए निर्दलीय विधायक मनोज पांडेय, राकेश प्रताप सिंह और अमय सिंह भी भाजपा के साथ हैं। इन तीनों को जून 2025 में 2024 के राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के बाद SP से निकाल दिया गया था। राजा भैया की जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के दो विधायकों के समर्थन के साथ एनडीए की प्रभावी संख्या 294 हो जाती है। भाजपा के सभी आठ उम्मीदवारों को जिताने के लिए 296 पहली पसंद के वोट चाहिए। यानी बीजेपी को सिर्फ दो और वोटों की जरूरत है। भाजपा ने सोमवार को अपने आठ उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे। पार्टी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप के पास 33 विधायक हैं। इनमें अपना दल (र) के 13, रातोदर के 9, SBSP के 6 और निगदह पार्टी के 5 विधायक शामिल हैं। पूजा पाल के अलावा सपा

पति के सामने खुली पत्नी की पोल! बॉयफ्रेंड संग ऑटो में थी सवार, सड़क पर भिड़ गए दोनों

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के फिरोजाबाद में एक हैरान करने वाली घटना हुई है. यहां एक युवक ने अपनी पत्नी को प्रेमी क साथ पकड़ लिया. दोनों ऑटो में सवार होकर कहीं जा रहे थे. इन्हें साथ में देखते ही पति ने आपा खो दिया और दोनों को ऑटो से उतारकर बुरी तरह से पिटाई की.

इससे मौके पर हंगामा मच गया. इसकी वजह से लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई. सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों को समझाने का प्रयास किया. हालांकि महिला ने पति के साथ जाने से साफ मना कर दिया है. मामला राजा का ताल के पास रविवार की दोपहर का है. बताया जा रहा है कि युवक यहां एका थाना क्षेत्र का रहने वाला है. करीब पांच साल पहले उसकी हर जगह हुई थी. इसके बाद उसे एक बेठा भी हुआ. युवक गुरग्राम में रहकर मेहनत मजदूरी करता है. शादी के कुछ समय बाद वह अपनी पत्नी को गुरग्राम लेकर चला गया. पुलिस की पूछताछ में युवक ने बताया कि गुरग्राम में रहने के दौरान ही उसकी पत्नी



राजस्थान में भरतपुर के रूपवास निवासी युवक के संपर्क में आ गई. युवक ने बताया कि कुछ समय पहले उसकी पत्नी उसे छोड़कर अपने प्रेमी के साथ चली गई थी और उसके साथ ही लिव-इन रिलेशन में रह रही थी. जबकि वह उसकी हर जगह पर तलाश कर रहा था. इसी बीच उसे सूचना मिली तो वह फिरोजाबाद आया और दोनों को एक साथ ऑटो में सवार होकर जाते पकड़ लिया. यहां पत्नी को प्रेमी की पिटाई के बाद उसने अपनी पत्नी को साथ ले जाने की कोशिश की, लेकिन

उसने साफ मना कर दिया. पुलिस ने फिलहाल तीनों को थाने ले गई है. जहां दोनों के परिजनों को बुलाया गया है. पुलिस के मुताबिक परिजनों के आने के बाद समझौते के आधार पर युवती को जाने दिया जाएगा. उधर, घटना के बाद युवक की पत्नी ने बताया कि उसका पति शराबी है और आए दिन शराब पीकर घर में मारपीट करता था. इसलिए उसे हमेशा के लिए छोड़ दिया है. पत्नी ने बताया कि उसका पति शराब पीने के लिए बाइक और अन्य सामान तक बेच चुका है.

जब दुर्गा भाभी बनीं भगत सिंह की ‘पत्नी’, साण्डर्स हत्याकांड के बाद उन्हें लाहौर से कैसे निकाला?

(यंग भारत न्यूज)

दिसम्बर की कोहरे से लिपटी उस ठिठुरती सुबह घर के दरवाजे पर दस्तक हुई. तीन साल के बच्चे के साथ घर में अकेली महिला ने संशय के बीच दरवाजा खोला. ये दुर्गावती थीं. क्रांतिकारियों की दुर्गा भाभी.

आजाद, भगत सिंह और उनके साथियों के साथी भगवती चरण बोहरा की पत्नी. 17 दिसम्बर 1928 को पुलिस अफसर जे. ए. साण्डर्स की हत्या के बाद भगत सिंह और उनके साथियों को जल्दी से जल्दी लाहौर छोड़ना था. उन्होंने एक गुप्त ठिकाने पर रात गुजारी थी. घर के बाहर पुलिस की निगरानी थी. भगवती चरण उन दिनों कलकत्ता गए हुए थे. आजाद ने दुर्गा भाभी को योजना बताई. उन्हें भगत सिंह की पत्नी बनकर कलकत्ता जाना होगा. पति अनुपस्थित. तुरन्त सम्पर्क-स्वीकृति का कोई जरिया नहीं. विकट प्रस्ताव. निजी संकोच. समाज की सोच का भय. दुर्गा भाभी ने खुद को सबसे उबारा. तैयारी शुरू की. सफर का खर्च भी उन्हीं के जिम्मे था. जाते समय भगवती चरण घर खर्च के लिए पर्याप्त पैसे दे गए थे. अगली सुबह हैट लगाए, क्लीन शेव्ड खूबसूरत नौजवान भगत सिंह आगे-आगे ‘रंजीत’ के नाम से थे. पीछे हाई हील में आत्मविश्वास से भरी दुर्गा भाभी तीन साल के बेटे शचीन्द्र को साथ लिये ‘सुजाता’ थीं. सबसे पीछे लगेज संधाले नौकर बने राजगुरु थे. लाहौर स्टेशन पर चप्पे-चप्पे पर साण्डर्स के हत्यारों की तलाश में पुलिस थी. यह जोड़ा फर्स्ट क्लास के डिब्बे की ओर बेफिक्र बढ़ता गया. राजगुरु लगेज व्यवस्थित करने के बाद तीसरे दर्जे के डिब्बे में चले गए. आजाद भी इसी ट्रेन में मथुरा जा रही साधुओं की एक मंडली में शामिल थे. दुर्गा भाभी की सलाह पर कानपुर में ट्रेन छोड़ दी गई. फिर वे लखनऊ और वहां से दूसरी ट्रेन से कलकत्ता पहुंचे. भगवती चरण को उन्होंने तार दिया था कि भाई के साथ आ रही हूं. पहले वे चैंकें. साण्डर्स की हत्या की खबर अखबार में पढ़ चुके थे. दिमाग उसी ओर गया. स्टेशन पर उनके सामने पुराने साथी भगत सिंह थे. 7 अक्टूबर 1907 को इलाहाबाद के शाहजादपुर में जन्मी दुर्गावती ने कम उम्र में मां को खो दिया था. सिर्फ 11 साल की उम्र में उनका भगवती चरण बोहरा से विवाह हुआ. आगे चलकर यही दुर्गावती क्रांतिकारियों की ‘दुर्गा भाभी’ बनीं. भगवती चरण कम उम्र में आजादी के आंदोलन से जुड़ चुके थे. गांधी के असहयोग आंदोलन में हिस्सेदारी से शुरुआत हुई. तब उन्हें कहां पता था कि जिन गांधीजी के आह्वान पर वे आजादी की लड़ाई में कूद रहे हैं, उन्हीं की अहिंसा की राह से आगे चलकर उनका रास्ता अलग हो जाएगा और वे ‘बम का पन्थ’ के जवाब में ‘बम का दर्शन’ लिखेंगे.लाहौर के नेशनल कॉलेज की पढ़ाई के दौरान भगवती चरण का सम्पर्क भगत सिंह, सुखदेव आदि से हुआ. नौजवान भारत सभा के निर्माण और प्रचार-प्रसार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही. काकोरी कांड के बाद क्रांतिकारी संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया में चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह, सुखदेव और भगवती चरण बोहरा जैसे युवाओं की भूमिका सामने आई. संगठन का नाम हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन से आगे चलकर हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन हुआ. भगवती चरण केवल संगठनकर्ता नहीं थे. विचारक, लेखक, सिद्धान्तकार और रणनीतिकार भी थे. क्रांतिकारी साहित्य और प्रचार सामग्री तैयार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी. बम बनाने का तकनीकी ज्ञान भी उन्होंने हासिल किया था. संपादन को बौद्धिक सहायता देने के साथ उसके निर्णयों के प्रति उनका पूर्ण समर्पण था.आमतौर पर क्रांतिकारी अविवाहित होते थे. लेकिन भगवती चरण का पारिवारिक जीवन इसमें बाधक की जगह सहायक बना. पत्नी दुर्गावती उनके साथियों की दुर्गा भाभी बन गईं. वे केवल किसी क्रांतिकारी की पत्नी नहीं थीं. गुप्त संदेशों, आश्रय, आवागमन और जोखिम भरे अभियानों में स्वयं सक्रिय भागीदार बनती चली गईं. 23 दिसम्बर 1929 को आगरा-दिल्ली रेल लाइन पर वाइसराय लॉर्ड इरविन की विशेष ट्रेन को बम से निशाना बनाने की कोशिश हुई. विस्फोट जबरदस्त था. ट्रेन के डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए, लेकिन इरविन बाल-बाल बच गए.इस घटना ने कांग्रेस और क्रांतिकारियों के बीच चर और वैचारिक मतभेदों को और तीखा कर दिया. महात्मा गांधी ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की. में 2 जनवरी 1930 को उन्होंने ‘ अर्थात ‘बम का पन्थ’ शीर्षक से अपने विचार विस्तार से लिखें. गांधीजी की सोच थी कि अंग्रेजों को मारकर या उनके जीवन को खतरे में डालकर स्वराज नहीं मिल सकता. उनका विश्वास था कि व्यापक जन-आंदोलन, अहिंसा और सामूहिक अवज्ञा के माध्यम से ही स्वतंत्रता हासिल की जा सकती है.उन्होंने जनता से क्रांतिकारी हिंसा का समर्थन न करने की अपील की.उन्होंने लिखा, हम लोगों के चारों ओर इतनी हिंसा व्याप्त है कि कभी इधर तो कभी उधर बमों के फेंके जाने से किसी को परेशानी नहीं महसूस होती. गांधीजी को आशंका थी कि हिंसा का रास्ता स्वतंत्रता के आंदोलन को अराजकता की ओर ले जा सकता है. उनके लिए साधन और लक्ष्य अलग नहीं थे. स्वतंत्रता चाहिए तो उसका रास्ता भी अहिंसक होना चाहिए.महात्मा गांधी के लेख के जवाब में भगवती चरण बोहरा नेअर्थात ‘बम का दर्शन’ लिखा. यह महज एक प्रतिक्रिया नहीं थी. यह क्रांतिकारी आंदोलन की विचारधारा को समझाने का प्रयास था. इतिहासकार क्रिस मोफेट के शोध के अनुसार यह लेख भगवती चरण ने जनवरी 1930 में लिखा. चन्द्रशेखर आजाद से परामर्श किया. जेल में भगत सिंह ने इसके मसौदे को अनुमोदित किया. इसलिए ‘ बम का दर्शन ’ को केवल भगत सिंह से जोड़ देना भी सही नहीं होगा. उसे केवल महात्मा गांधी को दिया गया नौजवान मानना भी अधूरा होगा.यह उस समय के क्रांतिकारी आंदोलन का वैचारिक दस्तावेज था, जिसमें हिंसा, प्रतिरोध, औपनिवेशिक सत्ता और स्वतंत्रता के साधनों पर अपना पक्ष रखा गया था. 26 जनवरी 1930 को इसे देश के विभिन्न हिस्सों में वितरित किया गया. सरकार ने इसे प्रतिबंधित साहित्य की श्रेणी में रखा. इसके वितरण को दंडनीय बनाने की कोशिश की. ‘ बम का दर्शन ’ में क्रांतिकारियों ने अपने पक्ष के लक्ष्य और सामने रखे. लिखा कि क्रांति का अर्थ अंधी हिंसा नहीं है. अन्याय के विरुद्ध संघर्ष में बल का प्रयोग और अन्याय करना के लिए हिंसा एक ही चीज नहीं हैं. क्रांतिकारियों ने कांग्रेस की भूमिका पर भी तीखा सवाल किया. उनके मुताबिक कांग्रेस ने पूर्ण स्वाधीनता का लक्ष्य स्वीकार तो किया, लेकिन ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध संघर्ष के बजाय क्रांतिकारियों की कार्रवाइयों की निंदा को प्राथमिकता दी. इस पूरे प्रसंग में दुर्गा भाभी को केवल भगवती चरण बोहरा या एक क्रांतिकारी की पत्नी कह देना उनके योगदान की अनदेखी होगी.क्रांतिकारी साहित्य में भगवती चरण की कलम बोल रही थी . जमीन पर दुर्गा भाभी उस संघर्ष को जी रही थीं. सच तो यह कि पति और अन्य क्रांतिकारी साथियों के साथ बौद्धिक विमर्श के साथ ही जमीनी कार्रवाइयों में भी तत्त्व जिम्मेदारियों के लिए वे समर्पित थीं. भगत सिंह और बदुर्केशवर दत्त आद जेल में थे. बाहर क्रांतिकारी उन्हें छुड़ाने की योजना बना रहे थे.



चुनाव के नजदीक आते ही सपा में भर गया जोश, सड़कों पर दिखाए जुझारू तेवर

- चुनावी पारदर्शिता के सवाल पर उरई में सपा का जोशीला प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूँका
- सिटी सेंटर से अंबेडकर चौराहे तक सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने किया पैदल मार्च
- पुतला छीनने को लेकर पुलिस और कार्यकर्ताओं में हुई खींचतान
- चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाकर सपा ने जताया विरोध
- जिलाध्यक्ष बोले- निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद



(यंग भारत न्यूज)
उरई, 7 अक्टूबर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर बुधवार को जालौन के उरई में सपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। सपा जिलाध्यक्ष दीपराज सिंह गुर्जर के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता सिटी सेंटर से पैदल मार्च करते हुए अंबेडकर चौराहे पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन पहले से ही सतर्क रहा। सिटी सेंटर से लेकर अंबेडकर चौराहे तक सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी संख्या में पुलिस

बल तैनात किया गया। पैदल मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं के हाथों में पार्टी के झंडे और मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला था। अंबेडकर चौराहे पर पहुंचते ही पुलिस ने कार्यकर्ताओं से पुतला छीनने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ देर तक खींचतान की स्थिति बनी रही। इसके बाद सपा कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से पुतला फूँककर अपना विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता से जुड़े सवालों

पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। सपा जिलाध्यक्ष दीपराज सिंह गुर्जर ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर पूरे प्रदेश में लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता लोकतंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि चुनाव प्रक्रिया को लेकर जनता और राजनीतिक दलों के मन में सवाल हैं तो उनका जवाब निर्वाचन आयोग को देना चाहिए। सपा कार्यकर्ता लोकतांत्रिक अधिकारों और निष्पक्ष चुनाव की मांग को लेकर अपनी आवाज लगातार उठाते रहेंगे। प्रदर्शन के दौरान वरिष्ठ सपा नेता अमर सिंह चंदेल, कल्लू यादव, काशीखेड़ा, वीरेंद्र यादव, महेश द्विवेदी, सुरेंद्र बजरिया, सिद्धार्थ यादव, महेंद्र विश्वकर्मा समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। पुलिस की मौजूदगी के बीच प्रदर्शन समाप्त होने के बाद कार्यकर्ता वहां से रवाना हुए। प्रदर्शन के दौरान पूरे मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहा और पुलिसकर्मी स्थिति पर नजर बनाए रहे।

अपना दल (एस) जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक संपन्न

-संगठन विस्तार व आगामी कार्यक्रमों पर बनी रणनीति

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। जिला कार्यालय पर अपना दल (एस) की जिला मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी द्वारा की गई तथा मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रोहित राठौर उपस्थित रहे। ?बैठक में पार्टी को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। ?संगठन का विस्तार के तहत जिले में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के लिए टीमों में गठित करने पर विशेष जोर दिया गया। ?'घर-घर झंडा' अभियान: पार्टी की नीतियों और पहचान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 'घर-घर झंडा' अभियान शुरू करने का निर्देश दिया गया। इसके तहत सभी पदाधिकारी अपने-अपने निवास पर पार्टी का झंडा व नेम प्लेट लगाएं तथा कम से कम 25 अन्य परिवारों के घरों पर झंडा लगावाकर फोटो आधिकारिक ग्रुप में साझा करेंगे। स्नातक एम.एल.सी. चुनाव



की तैयारी: बैठक में स्नातक एम.एल.सी. चुनाव की तैयारियों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। आगामी 23 अक्टूबर को एन.डी.ए. प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर के समर्थन में अधिक से अधिक मतदान कराने तथा सभी बूथों पर प्रभारी नियुक्त करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। ?बैठक में प्रदेश महासचिव कुकरांव, बरकत अली, बीडीसी ओंकार सिंह ठाकुर, जिला मीडिया सचिव जितेन्द्र कुशवाहा, रामबाबू कुशवाहा विधानसभा अध्यक्ष उरई , जिला कार्यकारिणी सदस्य सुधरसिंह पटेल, जिला महासचिव प्रदीप कुशवाहा चमैंड, जिला सचिव प्रशु राठौर,जिला सचिव मिथिलेश सोनी, राजेन्द्र बाबू जी

लहचूरा, लाल सिंह कोंच, रविन्द्र कुशवाहा, गोहनगढ़िया विधानसभा महासचिव रामकुमार डाडी, राहुल दाढ़ी। लाल सिंह राठौर कोच ,शिवम राठौर कोच, अनवर अली, बलवीर कोरी कुंडा, अमित कुशवाहा धौलपुर, रविकांत कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष कुकरांव, बरकत अली, बीडीसी कुदारी, रमाकांत कुशवाहा कुशवाहा पिया निरंजनपुर रोहित कुशवाहा विधानसभा उपाध्यक्ष उरई , कुशवाहा बर्द जिला उपाध्यक्ष पंचायत मंच, जौन अध्यक्ष राजवीर सिंह सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिव्यांग के मकान के सामने दबंगों ने लगाया दरवाजा, रास्ता बंद करने का आरोप

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। कुजौंद थाना क्षेत्र के ग्राम धर्मपुरा बरेला निवासी अमोल बाबा पुत्र रामचरण बाबा ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मकान के सामने दबंगों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत की है। पीडित ने बताया कि वह 100 प्रतिशत दिव्यांग है और अनुसूचित जाति समुदाय से आता है। पीडित के अनुसार उसके मकान के दरवाजे के सामने की जगह पर दबंग विपक्षी कैप्टन सिंह पुत्र राजबहादुर, मुलायम सिंह पुत्र कैप्टन सिंह, विजय सिंह पुत्र राजबहादुर सहित अन्य लोगों ने कथित रूप से जबरन दरवाजा लगा लिया है। आरोप है कि पीछे की दीवार में भी दरवाजा लगाकर मकान के आगे की जगह पर दीवार खड़ी कर दी गई है, जिससे खेत में जाने का रास्ता भी बाधित हो गया है। अमोल बाबा का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर आमदा हो जाते हैं और जान-माल की धमकी देते हैं। पीडित ने बताया कि आरोपी संख्या में अधिक होने के कारण उसका नाजयज फायदा उठा रहे हैं। आरोपियों द्वारा उसे गांव में नहीं रहने देने तथा ईंट-पत्थर फेंकने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पीडित ने जिलाधिकारी से मामले का संज्ञान लेते हुए आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई कर मकान के दरवाजे के सामने किए गए कथित अवैध कब्जे को हटवाने, रास्ता बहाल कराने तथा दबंगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

- पीडित ने डीएम से की अवैध कब्जा हटवाने और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग
- विरोध करने पर मारपीट, जातिसूचक गालियां व जान-माल की धमकी देने का लगाया आरोप

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट, पूर्व प्रधान गंभीर घायल



उरई (जालौन)। कोंच कोतवाली क्षेत्र के बस्ती गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच लाठी-डंडे चलने का मामला सामने आया है। मारपीट में एक पक्ष के पूर्व प्रधान गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार पूर्व प्रधान ने आरोप लगाया कि गांव के ही चार सगे भाइयों से पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि गाली-गलौज का विरोध करने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल पूर्व प्रधान को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के संबंध में पूर्व प्रधान की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है। वहीं, मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में है।

निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी और आपत्तिजनक जाति सूचक गालियां देने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग

-निषाद पार्टी के सैकड़ों लोगों ने कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन कर की नारेबाजी

(यंग भारत न्यूज)
उरई। आज निषाद पार्टी के सैकड़ों महिला पुरस्कारकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में धरना देकर जमकर नारेबाजी की और उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद के विरुद्ध बांसगांव जनपद गोरखपुर में जान से मारने की धमकी दिए जाने आपत्तिजनक टिप्पणियां एवं जाट सूचक शब्दों के प्रयोग के विरोध में जमकर नारीवादी की तथा ऐसा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए डीएम और सपा को विज्ञापन देकर ऐसे तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई करने की बात की गई है अपने चार सूत्री ज्ञापन में उन्होंने बताया कि घटना आसनों वीडियो ऑडियो फ्रॉम



सोशल मीडिया की सामग्री की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराई जाए तथा उपलब्ध साधियों को सुरक्षित किया जाए राष्ट्रीय अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी जाट सूचक का अपमान अन्य अपराध की पुष्ट होने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कठोर कार्रवाई की जाए धमकी देने वाले व्यक्तियों की पहचान कर आवश्यक कानूनी और निवारक कानूनी कठोर कार्रवाई की जाए और टैबलेट मंत्री डॉ संजय निषाद की सुरक्षा की समीक्षा कर

आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर किया के अवसर पर क्रांति अस्थक्ष निषाद विधानसभा अध्यक्ष जितेंद्र निषाद संत गोपाल निषाद विक्रम निषाद अखिलेश निषाद संजय निषाद सीमा निषाद सिद्धांत रैकवार गीता निषाद अवधेश निषादा हरिओम हरदोल निषाद वीरेंद्र निषाद राहुल निषाद रामकुमार निषाद शिवानी निषाद चंद्रभान निषाद ने धरने और प्रदर्शन में प्रमुख रूप से हिस्सेदारी की और सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सोपा

सेवा संकल्प अभियान के तहत निकली ‘सेवा ज्योति यात्रा’, जनसेवा के संकल्प से गुंजा शहर सीडीओ ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, टाउन हॉल में दिलाई सेवा एवं जनकल्याण की शपथ

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। 'सेवा संकल्प अभियान जन सेवा से देश सेवा' के अंतर्गत जनपद में जनसेवा, जनकल्याण और सामाजिक सहभागिता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से आज 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। विकास भवन परिसर से मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह ने सेवा ज्योति यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विकास भवन से प्रारंभ हुई सेवा ज्योति यात्रा जिला परिषद, अंबेडकर चौराहा एवं शहीद भगत सिंह चौराहा होते हुए टाउन हॉल पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता, सामाजिक जिम्मेदारी और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का संदेश दिया। टाउन हॉल में मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों को सेवा भावना के साथ कार्य करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सेवा केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना ही वास्तविक जनसेवा है। उन्होंने सभी से अपने-अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। सेवा ज्योति यात्रा के माध्यम से जनपदवासियों को यह संदेश दिया गया कि समाज के प्रत्येक वर्ग के सहयोग और सहभागिता से जनकल्याण एवं विकास के संकल्प को और अधिक मजबूत किया जा सकता है। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित इस यात्रा ने जनसेवा को प्राथमिकता देने और समाज के प्रति जिम्मेदार भूमिका निभाने का संदेश दिया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, डीसी मनरेगा रामेंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी निशांत पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

जालौन के नये पुलिस अधीक्षक होंगे सुरेश चंद्र रावत विनय कुमार सिंह को भेजा गया गाजीपुर

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रशासनिक फेरबदल के तहत भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं। इस नए प्रशासनिक फेरबदल की आंच जनपद जालौन तक पहुंची है, जहां पुलिस महकमे के नेतृत्व में बदलाव दर्ज किया गया है। जारी तबादला सूची के अनुसार जालौन के निवर्तमान पुलिस अधीक्षक आईपीएस विनय कुमार सिंह (बैच 2018) का स्थानांतरण गाजीपुर जिले के पुलिस अधीक्षक पद पर कर दिया गया है। वहीं दूसरी ओर मथुरा में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत आईपीएस सुरेश चंद्र रावत को पदोन्नत/स्थानांतरित करते हुए जनपद जालौन के नए पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शासन द्वारा जारी इस आदेश के बाद अब जल्द ही नए एसपी सुरेश चंद्र रावत जालौन पहुंचकर अपना पदभार ग्रहण करेंगे, वहीं गाजीपुर भेजे जा रहे विनय कुमार सिंह को नए जिले की कमान सौंपी जाएगी।



जन संघर्ष मोर्चा ने चुनाव आयोग को हटाने के लिए जमकर नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को दिया



उरई। जन संघर्ष मोर्चा में आज सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ नगर की सड़कों पर चुनाव आयोग के विरोध में जमकर नारेबाजी करते हुए। कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां चुनाव आयोग को हटाने के लिए जोरदार नारेबाजी की इसके बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी के माध्यम से सिटी मजिस्ट्रेट को दिया। मिजोरम बक्ताओं में केंद्र सरकार पर तानाशाही करने और मनमानी ढंग से सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग करने का आरोप भी लगाया। कलेक्ट्रेट में धरना सभा को बुजुर्ग कामरेड रामकिशन शुक्ला कामरेड राम सिंह गिरेन्द्र सिंह पूर्व विधायक कप्तान सिंह राजपूत अशोक गुप्ता महाबली लोकतंत्र सेनानी मोहम्मद शाकिर कोच शंकर लाल अहिरवार विकास पाठक देवेश कुमार चौरसिया कामरेड राजीव कुशवाहा भाजपा वाले जिला सचिव कामरेड हरि शंकर काशीराम ढाका बम्माले रामकिशन राम अवतार कमलेश कुमार आचार्य विनोद कुमार रमेश चंद्र राजा राम वर्मा गोपाल जी मिश्रा महेश द्विवेदी सर सहित तमाम नेताओं ने विचार व्यक्त करते हुए चेतावनी भी यदि मुख्य चुनाव आयुक्त कोशीत्र से सीख नहीं हटया गया तो देश में और तेज आंदोलन होगा। इसके बाद सभी ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सोपा

विकसित भारत संकल्प सभा ‘सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया



उरई। आज भारतीय जनता पार्टी ने झलकारी बाई पार्क स्थल में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्रसेवा के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा 'सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री/क्षेत्रीय प्रभारी शंकरलाल लोधी रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने की मुख्य अतिथि ने बताया कि सेवा ज्योति कार्यक्रम तहत जनपद की तीनों विधानसभाओं के 19मंडलों से बाइक रेलिया निकली गई उसके उपरांत विधानसभा बार एकत्रीकरण करके सभी बाइक एक साथ कोच बस स्टैंड पर पहुंची इसके बाद सभी कार्यकर्ताओं ने जनसभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गवई का लाइव प्रसारण सुना उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण सभी जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक साथ सुना सभा के उपरांत मशाल के साथ जुलूस निकाला गया जो की झलकारीबाई चौराहे से होते हुए पीली कोठी तक निकला गया समापन पर मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रधानमंत्री के 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और अंत्योदय के संकल्प को समर्पित रहा है। उनका मार्गदर्शन हम सभी को सेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने और राष्ट्रनिर्माण में अपना योगदान देने की प्रेरणा देता है सेवा की ज्योति से विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा मिले यही हमारा संकल्प है। मुख्य रूप से उपस्थित सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा मूलचंद्र निरंजन जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी अरविंद चौहान जिला प्रभारी धुवन प्रकाश गुप्ता क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित समाधिया मनोज राजपूत नीरज अनुज नाग श्रीवास्तव उदयन पालीवाल रामेंद्र सिंह संतराम सेगर आसू चतुर्वेदी विवेक कुशवाहा पुष्पेंद्र सेगर प्रशांत द्विवेदी विजय चौधरी पुनीत मित्तल विनोद अहिरवार रेखा वर्मा सहित जनपद के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे

हत्यारी सड़क के नाम से बदनाम बंधौली मार्ग पर लगता है भीषण जाम, किसान व ग्रामीण निकलने को परेशान

-इस रोड पर कई घटनाएं हो चुकी है

(यंग भारत न्यूज)
डकोर (उरई) विकासखंड डकोर स्थित बंधौली रोड पर बड़े-बड़े लगे मोरम के डंप एकदम पर सैकड़ों गाड़ी रोड के किनारे लगाकर खड़े रहते हैं जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में मशक्कत उठानी पड़ती है दम संचालक से कई बार ग्रामीणों ने कहा गाड़ियों को रोटी के किनारे खड़ा ना करें जिससे आने- जाने में परेशानी हो रही है लेकिन दम संचालक की लापरवाही को देखते हुए ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है इस रोड पर कई दर्दनाक घटनाएं हो चुकी है लेकिन शासन प्रशासन इन द संचालकों की लापरवाही को देखते हुए कोई कार्यवाही नहीं हो रही है

गौरतलब है कि विकासखंड डकोर स्थित बंधौली रोड पर लगे सिमरिया मोरम डंप पर दूर-दूर से सैकड़ों गाड़ियां मोरम भरने आई हैं जो



की गाड़ी ड्राइवर रोड के किनारे ही खड़ी कर लेते हैं जिससे किसानों को अपने खेतों पर जाने में खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कई

किसानों ने दम संचालक को इस परेशानी को देखते हुए अवगत कराया था लेकिन दम संचालक की लापरवाही को देखते हुए किसानों में

आक्रोश बना रहा है किसान राजकुमार राजपूत पुष्पेंद्र राजपूत उत्तम राजपूत शीलू राजपूत कैसे दर्जनों किसानों ने बताया कि इस रोड

पर अगली वर्ष कई दर्द नाक बहन द्वारा एक्सीडेंट से कई परिवार गुजर चुके हैं लेकिन इन घर संचालकों को कोई फिक्र नहीं है और अपनी मनमानी ढंग से रोड को जाम करके डंप चला रहे हैं जिससे आने-जाने में किसानों को परेशानी होती है

और ट्रक तेज स्पीड में निकलने से कोई बड़ी घटना हो सकती है लेकिन कोई भी आल्हा अधिकारी इस्तम संचालक ट्रक ड्राइवर को साकेत करने नहीं आया जिससे मोहम्मद बस्ती से निकलते हुए ट्रैकों को जब ग्रामीण देखते हैं तो अपने-अपने घरों में दुबक जाते हैं क्योंकि इसी रोड पर अगले वर्ष दो मासूम बच्चों ने अपने पिता को खाया था लेकिन ना ही कोई प्रशासन का आल्हा अधिकारी इस समस्या को समझ नहीं आया और ना ही डंप संचालकों के कारनों में जूं रेंगता है अगर ऐसा ही चला रहा तो किसान धरना प्रदर्शन करने को मजबूर रहेंगे

रिलीव होने से पहले 148 कॉन्स्टेबल और हेड कॉन्स्टेबल के तबादले कर गए पिछले एसपी

(यंग भारत न्यूज)
उरई। जिले में त्योहारों के बीच कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर तबादले किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने जनपदीय पुलिस स्थापना बोर्ड के फैसले के बाद जिले के अलग-अलग थानों, चौकियों और पुलिस की विशेष शाखाओं में तैनात 148 कॉन्स्टेबल और हेड कॉन्स्टेबल का ट्रांसफर किया है। आदेश जारी होते ही पुलिस विभाग में हलचल तेज हो गई।
ये तबादले जनपदीय पुलिस स्थापना बोर्ड के कार्यवृत्त संख्या 53/2026 में लिए गए फैसले के आधार पर किए गए हैं। कई प्रमुख थानों में लंबे समय से तैनात पुलिसकर्मियों को हटाकर दूसरी जगह भेजा गया है। वहीं न्यायालय सुरक्षा, साइबर सेल समेत अन्य शाखाओं में भी नई तैनाती की गई है। तबादला सूची में कालपी, कोंच, उरई कोतवाली, जालौन, डकोर, कदौरा, कुर्दौद, रामपुरा और नदीगांव समेत कई थाने शामिल हैं। कालपी से आरक्षी अनुज कुमार (1155) और सुनील कुमार सिंह (299) समेत कई पुलिसकर्मियों को कोंच भेजा गया है। वहीं कालपी में पुलिस बल बढ़ाने के लिए नदीगांव से रामकुमार (1200) और कुर्दौद से आशुतोष व राघवेंद्र को तैनाती दी गई है। उरई कोतवाली और जालौन थाने में भी बड़े स्तर पर पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी बदली गई है। यहां लंबे समय से तैनात कई आरक्षियों और मुख्य आरक्षियों को दूसरे स्थानों पर भेजा गया है और उनकी जगह अन्य थानों से पुलिसकर्मियों को तैनाती दी गई है। महिला थाने में तैनात आरक्षी रणविजय सिंह का भी स्थानांतरण किया गया है। वहीं महिला थाने से प्रमोद कुमार (65) को कदौरा भेजा गया है। तबादलों में ग्रामीण क्षेत्रों के थानों को भी शामिल किया गया है, जिससे वहां पुलिस की गश्त और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश मानी जा रही है।

मजदूरी न देकर रास्ते मे पिटाई करने वाले दबंगो के विरुद्ध मुकदमा कायम

(यंग भारत न्यूज)
कालपी-उरई। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम उसरगांव में मजदूरी लेने जा रहे एक युवक के साथ रास्ते में घेरकर मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने पर पीड़ित की शिकायत पर कालपी कोतवाली पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।
ग्राम उसरगांव निवासी वादी राकेश पुत्र रामऔतार अहिरवार ने पुलिस में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह एक अक्टूबर की सुबह करीब सात बजे मजदूरी लेने जा रहा था। गांव में ध्रुम पुत्र रामलाल के घर के पास पहुंचने पर वहां मौजूद आरोपियों धर्मेंद्र पुत्र ध्रुम, श्यामबाबू पुत्र ध्रुम व ध्रुम पुत्र रामलाल ने एक राय होकर उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसके चोटें आईं। आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। उक्त मामले को लेकर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उपनिरीक्षक सुनील कुमार को विवेचना सौंपी है।

घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़ करने के आरोप में मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)
कालपी-उरई। तहसील कालपी क्षेत्र के एक ग्राम में एक महिला ने गांव के ही एक व्यक्ति पर घर में घुसकर बुरी नीयत से पकड़ने और छेड़छाड़ करने के आरोप लगाया। पीड़ित महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।
ग्राम सरगांव निवासी वादी राकेश पुत्र रामऔतार अहिरवार ने पुलिस में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि 4 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे वह अपने घर पर थी। इसी दौरान गांव का आरोपी युवक अमरनाथ घर की कुंडी खेलकर अंदर घुस आया और बुरी नीयत से उसे पकड़कर उसके साथ छेड़छाड़ करने का प्रयास किया।
पीड़िता के शोर मचाने पर परिजनों के जागने और विरोध करने पर आरोपी मोक़े से भाग गया। पीड़िता ने रोशनी में आरोपी को पहचानने की बात कहते हुए पुलिस से कार्यवाही की मांग की। उक्त मामले में चुर्छी थाने में 5 अक्टूबर 2026 को अभियोग पंजीकृत किया गया। उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार को मामले की विवेचना सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की विवेचना कर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

महात्मा टिकैत की 91वीं जयंती पर गूंजा ‘बाबा टिकैत अमर रहें’, संगठन मजबूती का लिया संकल्प

- जालौन गल्ला मंडी में धूमधाम से मनाई गई किसान नेता की जन्म जयंती
- कार्यकर्ताओं ने बाबा टिकैत के बताए रास्ते पर चलने और संगठन मजबूत करने की ली शपथ
- रक्तदान अभियान के लिए मेडिकल कॉलेज ने भाकियू को किया सम्मानित, पदाधिकारियों ने जताया आभार

पक्की सड़क बनवाने को लेकर इमिलिया खुर्द गांववासियों ने उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)
कालपी-उरई। तहसील कालपी क्षेत्र के ग्राम इमिलिया खुर्द को जोड़ने वाली पक्की सड़क के निर्माण का इंतजार ग्रामीण करीब 75 वर्षों से कर रहे हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर जोल्हपुर-मदारीपुर मार्ग से गांव इमिलिया खुर्द तक पक्की सड़क का निर्माण कराए जाने की मांग उठाई है। इमिलिया गांव के ग्रामीणों सुनील कुमार देवेंद्र पाल दलवीर प्रदीप बाबूराम रमेश लल्लन दयाराम आदि ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर अवगत कराया है कि इमिलिया गांव में आजादी के बाद से अब तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो सका है। बरसात के दिनों में रास्ता खराब होने से आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो जाता है। ग्रामीणों के साथ-साथ गांव के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम इमिलिया खुर्द के वन विभाग में शामिल होने के कारण सड़क निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों में बाधा आ रही है। ग्रामीणों के अनुसार वन विभाग के गाटा संख्या 147 में पक्की सड़क डलवाने के लिए राजस्व विभाग में बंजर के नाम से दर्ज सरकारी भूमि से संबंधित प्रक्रिया को लेकर पूर्व में भी कई बार अधिकारियों से मांग की जा चुकी है। ग्रामवासियों ने जिलाधिकारी से मामले का संज्ञान लेते हुए पीडब्ल्यूडी विभाग को सड़क निर्माण के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की है। ताकि गांव के लोगों को आवागमन की समस्या से निजात मिल सके।

रामलीला में आज ताड़का वध का मंचन

(यंग भारत न्यूज)
कोंच नगर की ऐतिहासिक एवं अनुष्ठानी श्रीराम लीला में आज दिनांक 8 अक्टूबर दिन गुरुवार को ठीक 8 वजे रामलीला रंगमंच पर ताड़का वध लीला सम्पन्न होगी। उक्त जानकारी रामलीला समिति के अध्यक्ष राजीव पटेल बोबी एवं मंत्री शैलेश सोनी ने दी।

एनएचएम कर्मियों का अपनी मांगो को लेकर अनिश्चित कालीन धरना प्रारंभ

(यंग भारत न्यूज)
कोंच जिला संयोजक संयुक्त संघर्ष समिति जनपद जालौन ने अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करते हुए बताया की संघर्ष समिति ने एनएचएम कर्मिकों का न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए प्रति माह निर्धारित करते हुए कार्य विधि अनुभव एवं वरिष्ठता के आधार पर वेतन निर्धारण एवं वेतन वृद्धि की नीति लागू करने और दीर्घकाल से कार्यरत कर्मिकों को राज्य आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था में समाहित करते हुए नियमती कारण एवं 2018 में सीएचओ को 6 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर नियमित किये जाने के निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही करते हुए रिक्त पदों पर स्थानांतरण नीति लागू कर रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाए और ईपीएफ ईएसआई ग्रेच्युटी स्वास्थ्य बीमा आदि लाभ प्रदान किये जायें वहीं एनएचएम के कार्यरत आउट सोर्स कर्मियों का समायोजन कर निगम के लाभ उपलब्ध कराए जाएं उक्त मांगों को लेकर एनएचएम कर्मियों ने बताया कि समिति द्वारा 29 व 30 सितंबर को जनपद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था लेकिन हमारी मांगें पूरी न होने पर 7 अक्टूबर को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन तथा 8 अक्टूबर को लखनऊ में एकत्रीकरण प्रस्तावित है। संयुक्त संघर्ष समिति ने जिलाधिकारी अभिनव कुमार को सम्बोधित मांग पत्र देते हुए अपनी मांगों पर शीघ्र निर्णय लिए जाने की अपील की गई है इस अवसर पर डॉक्टर सविता पटेल, डॉक्टर राजीव शर्मा, सत्यवती, अनीता, वंदना, अनुराधा द्विवेदी, अनुसुइया, दीपा, रागनी, कपिल, अवधेश, सर्वेश प्रदीप पटेल, हिमांशु, पवन, दीपिका, आरती सहित तमाम एनएचएम कर्मी मौजूद रहे।



स्वास्थ्य एवं बाल श्रम जागरूकता शिविर में 50 लोगों का हुआ परीक्षण

(यंग भारत न्यूज)
कालपी-उरई। बुधवार को श्रम प्रवर्तन विभाग के तत्वाधान में औद्योगिक क्षेत्र कालपी में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सकीय टीम के द्वारा 50 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर परामर्श देकर निःशुल्क दवाएं भी वितरित कीं।
इंडस्ट्रियल एरिया के परिसर में आयोजित शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी के फिजिशियन डॉ. दिलीप कुमार, डॉ. हरिचरण सिंह, फार्मासिस्ट विनोद सचान मौजूद रहे। इस दौरान आंखों की जांच तथा आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया। शिविर में श्रमिकों और स्थानीय लोगों ने सहभागिता की।



बाल श्रम के खिलाफ किया जागरूक गरीब परिवारों के बच्चे होटलों और छोटे व्यापारों में आज भीमजदूरी करने को है मजबूर

कालपी-उरई। बुधवार को आयोजित शिविर में श्रम प्रवर्तन अधिकारी रविंद्र मोहन ने फैक्ट्री एरिया एवं टरननगंज बाजार में भ्रमण किया। दुकानदारों, अभिभावकों, श्रमिकों को बाल श्रम के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नाबालिग बच्चों का स्थान कार्यस्थल नहीं बल्कि विद्यालय है। यदि किसी परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है तो इसकी जानकारी विभाग को दी जाए, ताकि सरकार की योजनाओं के माध्यम से बच्चों का शैक्षिक एवं आर्थिक पुनर्वास कराया जा सके। उन्होंने बताया कि पात्र बच्चों को विभिन्न योजनाओं के तहत एक लाख से पांच लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार श्रम प्रवर्तन विभाग के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक और शैक्षिक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जागरूकता अभियान के दौरान श्रम प्रवर्तन अधिकारी रविंद्र मोहन, अनुसेवक इंद्रपाल सिंह, रंजीत पाल सहित विभागीय टीम ने क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों को बाल श्रम उन्मूलन और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने की आत्महत्या, परिवार में कोहराम

(यंग भारत न्यूज)
उरई। रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम मानपुरा में बुधवार सुबह 9 बजे 28 वर्षीय युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। युवक की मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
मृतक की पहचान मानपुरा निवासी रियायर्ड फौजी उदयवीर सिंह के पुत्र सोनू सिंह (28) के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक सोनू खेती-किसानी में पिता का सहयोग करता था। उसकी करीब दो वर्ष पहले शादी हुई थी। पत्नी का नाम शिवा देवी है और दंपति की चार माह की एक बेटी है। सोनू दो भाइयों में छोटा था। परिजनों के अनुसार बुधवार सुबह तक सोनू सामान्य था। उसने पिता को चाय पिलाई और घर के अन्य काम निपटाए। इसके बाद वह भवेशियों के लिए चारा-पानी का इंतजाम कर घर के ऊपर बने टीन शेड में चला गया। कुछ देर बाद परिजनों को घटना की जानकारी हुई तो उनके होश उड़ गए। सुबह करीब 10 बजे पुलिस को सूचना दी गई। इस मामले में रामपुरा थाना प्रभारी केपी सरोज का कहना है कि उन्हें सूचना मिली है और हल्का इंचार्ज को मौके पर भेजा गया है। जांच के बाद ही पता चल सकेगा कि किन परिस्थितियों में यह घटना हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

एनएचएम कर्मियों का अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन भी जारी, इमरजेंसी छोड़कर कार्य बहिष्कार

(यंग भारत न्यूज)
उरई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत कर्मचारियों का अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उरई स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय परिसर में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। संयुक्त संघर्ष समिति एनएचएम (उत्तर प्रदेश) के आह्वान पर कर्मचारियों ने अपनी मांगों के जल्द समाधान की हुंकार भरी और इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर कार्य बहिष्कार जारी रखा।
धरने को संबोधित करते हुए जिला संयोजक डॉ. अजय पाल सिंह चौहान और जिलाध्यक्ष डॉ. रणधीर निरंजन ने कहा कि एनएचएम कर्मी प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें वेतन वृद्धि, नियमितीकरण और सामाजिक सुरक्षा जैसे बुनियादी लाभों से वंचित रखा जा रहा है। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने शासन से मांग की है कि उनका न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए किया जाए। इसके साथ ही अनुभव व वरिष्ठता के आधार पर वेतन वृद्धि, रिक्त पदों को भरने, स्थानांतरण नीति लागू करने और नियमितीकरण की ठोस कार्रवाई की जाए। कर्मचारियों ने ईपीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी और स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा का लाभ देने की भी प्रमुखता से मांग उठाई है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका अनिश्चितकालीन धरना और कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।



सब दिलीपों 4606 करोड़ के बजट वाले वित्त मंत्रालय के आयकर विभाग का है। अंतर्गत एक विलीन हो गया है। बड़ा सुपर-सेक्टर है। तमिल के काम को तो जयराज सुपर-सेक्टर करेगा। ठाढ़ा बड़ा काम रहे है। अंतर्गत सुपर-सेक्टर नवीनीकरण के कॉन्सिडर-कॉन्सिडर में अंतर्गत सुपर-सेक्टर के कॉन्सिडर दून और उनके जो सॉल्यूशंस का बजट पेंटर विलीन किया गया है। बड़ा पेंटर को विलीन करने हुए अंतर्गत सुपर-सेक्टर में इंटरनेशनल प्रो फिला है। जेय मन्ना का कॉन्सिडर करने में सुपर-सेक्टर का विलीन आ गया है। 15 विलियन 2026 में सुपर-सेक्टर के विलियन में आ रहे है। अंतर्गत सुपर-सेक्टर बड़ा पेंटर में सुपर-सेक्टर के राह जयराज बड़ा सॉल्यूशंस में बजट आ रहे है। अंतर्गत सुपर-सेक्टर 4 विलियन को अंतर्गत विलीन किया और विलीन में सॉल्यूशंस विलीन में विलीन करेगा।

नई दिल्ली। एकट्स कवीन कपूर खान करीब 15 साल बाद शाह रुख खान के साथ फिर से स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगी। खबर है कि एकट्स शाह रुख की अनेक पुरानी एक्टिंग-एड्रेंट्रीन फिल्म 'नाम' में एक स्पेशल अवैभेन में 'दौंगी' करीब 'डैडी कुल' नाम के गाने में सुरसरदार के साथ नजर आएंगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कवीना इस मौके पर आखिर में सातव आखीका में शाह रुख के साथ इस स्पेशल गाने को शूटिंग करेंगी। बताया जा रहा है कि उन्होंने शूटिंग के लिए पांच दिन दिए हैं। और इसे बहुत बड़े पैमाने पर चला करती हैं। कवीना है। 'डैडी कुल' को एक बहुत ही खास गाने के तौर पर तैयार किया जा रहा है और इसमें शाह रुख और कवीना को ऐसे अवज में साथ लाना जरूरी जैसा दावेकी पहलें कवीनी ने देखा होगा।

राजू ने याद किए बुरे दिन, चैनल बंद होने से डूब गए थे सारे पैसे, नहीं था कोई सहारा

छात्र संघ चुनाव को लेकर आत्महत्या की धमकी देने के आरोप में राहुल, नितिन दोष मुक्त

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। छात्र संघ चुनाव को बहाली की मांग को लेकर 17 साल पहले हुए प्रदर्शन में आत्महत्या करने की धमकी देने के मामले में आरोपी बनाए गए कांग्रेस नेता राहुल गुप्ता और नितिन बाजपेई को 15 सितंबर को न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट सिविल जज जुडिशियल एफ टी सी झांसी अंजली सिंह की अदालत ने दोष मुक्त कर दिया है।कांग्रेस नेता राहुल गुप्ता और नितिन बाजपेई की और पैरवी कर रहे अधिवक्ता विवेक वाजपेई ने

जानकारी देते हुए बताया कि छात्र संघ के चुनावों पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रोक लगाए जाने के बाद युथ कांग्रेस द्वारा चुनाव को बहाल कराने की मांग की जा रही थी। इसी क्रम में यूथ कांग्रेस के नेता गुदरी मोहल्ला राहुल गुप्ता, सीपी मिशन कंपाउंड जार पहाड़ निवासी नितिन वाजपेई 8 सितंबर 2007 को बीकेडी कॉलेज पर प्रदर्शन कर रहे थे। जिसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे नवाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक जीपी गौतम पुलिस बल के साथ पहुंचे और प्रदर्शन समाप्त कराया। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक ने थाना नवाबाद में यूथ कांग्रेस के नेता राहुल गुप्ता और नितिन बाजपेई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर राहुल गुप्ता, नितिन बाजपेई बीकेडी चौराहे पर प्रदर्शन करते हुए पानी की टंकी पर चढ़ कर धमकी देने लगे कि अगर जल्द से जल्द छात्र संघ चुनाव बहाल नहीं कराया तो वह लोग पानी की टंकी से नीचे कूद कर आत्महत्या कर लेंगे। प्रभारी निरीक्षक ने एफ आई आर में बताया कि दोनों की

आत्महत्या करने की धमकी से वहां भय का माहौल व्याप्त हो गया। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध धारा 309 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। पुलिस ने विवेचना करते हुए दोनों के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया। न्यायालय में चल रही सुनवाई के दौरान अभियोजन दोनों पर धारा 309 का आरोप सिद्ध करने में नाकाम रहा। इस पर आज न्यायालय ने 15 सितंबर को दोनों आरोपी नितिन वाजपेई, राहुल गुप्ता को साक्ष्य के आभाव में दोष मुक्त कर दिया है।

ग्राम पंचायत विकास अधिकारी की नियुक्ति नहीं होने से लंबित हो रहे कार्य

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। करीब बीस दिन पूर्व अनियमितताओं की शिकायत मिलने पर निर्लांबित किए गए गुरसराय खंड विकास में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी अतुल कुमार भारद्वाज के बाद अन्य किसी की पोस्टिंग नहीं की गई जिसके चलते कार सरकार लंबित हो रहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जल्द नियुक्ति की जाएगी।आपको बता दे कि ग्राम पंचायत अतरौली और मेराब में पोर्टल के माध्यम से किए गए भुगतानों में अनियमितताएं होने की शिकायत की गई थीं। आरोप था कि एक ही वाउचर पर दो भुगतान किए गए। इस शिकायत के बाद विकास खंड गुरसराय में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी अतुल कुमार भारद्वाज से स्पष्टीकरण मांगा गया था। जिस पर उन्होंने स्पष्टीकरण नहीं दिया। इसे अनुशासनहीनता, लापरवाही, उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना मानते हुए उन्हें निर्लांबित कर दिया गया था। करीब बीस दिन से खाली पड़ी ग्राम पंचायत अधिकारी की कुर्सी पर किसी की तैनाती नहीं की गई। जिसके चलते कार सरकार लंबित हो रहा आम जनता को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है।खबर का बॉक्स जल्द होगी तैनातीझांसी। इस संबंध में डीपीआरओ बाल गोविंद श्रीवास्तव ने कहा कि दो या तीन दिवस के अन्दर नए ग्राम पंचायत अधिकारी की जल्द की तैनाती की जाएगी। अनियमितताओं की शिकायत मिलने पर ग्राम पंचायत अधिकारी अतुल कुमार को निर्लांबित किया जा चुका है। उनके खिलाफ विभागीय जांच चल रही वह भी जल्द पूरी होगी।खबर का बॉक्सशिकायत कर्ता को सोशल मीडिया पर धमकीझांसी। सूत्र बताते हैं कि अनियमितताएं और भ्रष्टाचार को शिकायत पर निर्लांबित हुए ग्राम पंचायत अधिकारी अतुल कुमार भारद्वाज राजनीतिक संरक्षण में हैं। जिसके चलते अभी तक उनके स्थान पर किसी अन्य की तैनाती नहीं की गई है। साथ ही शिकायत कर्ता का आरोप है कि ग्राम पंचायत अधिकारी के निर्लांबित होने के प्रकाशित हुए समाचार को सोशल मीडिया पर डालने के बाद निर्लांबित ग्राम पंचायत अधिकारी के किसी संबंधी ने कमेंट करते हुए लिखा कि किस की औकात है, निर्लांबित कराने और करने की। शिकायत कर्ता ने उतर सरकार को पत्र भेजकर सुरक्षा की मांग करते हुए निर्लांबित ग्राम पंचायत अधिकारी के राजनीतिक सिंडिकेट की जांच की मांग करते हुए कहा कि यह जांच को प्रभावित करा सकते है।

झांसी में नौवीं कक्षा की छात्रा की गोली मारकर हत्या: युवक ने मारी गोली, आंगन में पड़ा मिला शव, जांच शुरू

(यंग भारत न्यूज)

झांसी: उत्तर प्रदेश के झांसी से छात्रा की हत्या का मामला सामने आया है। छात्रा अपने दादी के घर आई थी। इसी दौरान उसे गोली मार दी गई। छात्रा नौवीं कक्षा में पढ़ाई करती थी। वारदात के समय उसके घर में अकेली होने की बात सामने आई है। दादी किसी काम से बाहर गई थी। घर लौटने पर दरवाजा अंदर से बंद पाया। आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोसियों को बुलाया। आस-पड़ोस के लोगों ने दीवार के ऊपर से झांककर देखा तो छात्रा आंगन में पड़ी पाई गई। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एसएसपी विकास कुमार भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मामले में सामने आया है कि प्रेमी ने लड़की को शादी कहीं और ठीक होने के बाद इस घटना को अंजाम दिया है।

मामला आईटीआई क्षेत्र में रहने वाले सोमी से जुड़ा हुआ है। वे मूल रूप से खोड़न गांव की रहने वाले हैं। उनके पिता का निधन हो चुका है। घर पर मां अकेले रहती हैं। वे अभी परिवार के साथ सीपरी बाजार में रहते हैं। उनकी बेटी आर्य कन्या स्कूल की नौवीं कक्षा की छात्रा थी। सोमी ने अपनी 19 वर्षीय बेटी को कुछ दिन पहले दादी के पास भेजा था। जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर दादी शीला किसी काम से बाहर गई हुई थीं। छात्रा घर पर अकेली थी। दोपहर करीब 3 बजे शीला घर पहुंचीं। उन्होंने दरवाजा खटखटाया। अंदर से जवाब नहीं मिलने पर पड़ोसियों को बुलाया। पड़ोसियों ने दीवार से झांककर देखा तो छात्रा आंगन में पड़ी हुई थी। भाई का कहना है कि छात्रा घर में अकेली थी। सोमी का परिवार छात्रा की हत्या के पीछे पुरानी रंजिश को बता रहा है। मामले में सामने आया है कि सोमी के परिवार की खोड़न में रहने वाले एक व्यक्ति से पुरानी रंजिश है। इसी कारण उन्होंने बेटी को दादी के घर पर रखा था। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। दावा किया जा रहा है कि आरोपी मौका देखकर दीवार फांदकर घर में दाखिल हुआ। छात्रा को गोली मारकर फरार हो गया। छात्रा की मौत का मामला सामने आने के बाद पुलिस अधिकारियों के साथ फॉरेंसिक और स्वाट टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। उन्होंने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की। पुलिस ने मामले में आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मामले में एसएसपी विकास कुमार ने कहा कि खाना शिवपुरी बाजार के सिद्धेश्वरनगर में यहां मौके पर सभी आला पुलिस अधिकारी मौजूद हैं। यहां घर में एक युवती, जिसकी उम्र लगभग 19 वर्ष बताई जा रही है, उसकी गोली लगने से मृत्यु हो गई है। यहां पर जो जानकारी की गई है, उनके पिता ने बताया है कि एक लड़का है जो इसे प्रेम करता था। इन लोगों ने उनकी शादी फिक्स कर दी थी। वह दीवाल के सहारे पीछे के रास्ते से चढ़ा है। उसके बाद गोली मार के यहां से फरार हो गया। घटना को हम लोग पूरी संजीदगी से देख रहे हैं। इसको लेकर वर्कआउट किया जा रहा है। घटना के अभियुक्त को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। एसएसपी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें लगाई गई हैं। पहली नजर में हत्या का कारण फायर आर्मस् इंजरी है। पोस्टमार्टम के बाद मृत्यु का असली कारण सामने आएगा। सर में गोली लगने की बात एसएसपी ने कही है। सर में गोली लगकर निकलने के घाव दिखे हैं। पोस्टमार्टम के बाद मौत के कारण विस्तृत जानकारी दिए जाने की बात एसएसपी ने कही। सदर विधायक रवि शर्मा घटनास्थल पर पहुंचे।

बिधायक नीलिमा कटियार का संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पर सम्मान, समाजसेवी कार्यों की सराहना

(यंग भारत न्यूज)



झांसी। कानपुर नगर विधायक एवं पूर्व उच्च शिक्षा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री नीलिमा कटियार का संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पर सम्मान किया गया। इस दौरान उन्होंने समिति की कार्यप्रणाली को समझा और संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी ली।

नीलिमा कटियार ने संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी द्वारा समाजहित में किए जा रहे कार्यों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि समाजसेवा केवल किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। संघर्ष सेवा समिति जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों के माध्यम से सराहनीय प्रयास कर रही है। वहीं डॉ. संदीप सरावगी ने नीलिमा कटियार का स्वागत एवं सम्मान करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में उनके द्वारा किए जा रहे कार्य और समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़कर काम करने की उनकी भावना प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि समाजसेवा और जनप्रतिनिधित्व का उद्देश्य तभी सार्थक होता है, जब अंतिम व्यक्ति तक सहायता और सकारात्मक बदलाव पहुंच सके। कार्यक्रम के दौरान दोनों ने सामाजिक क्षेत्र में मिलकर बेहतर कार्य करने और समाजहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर सचिन वर्मा, चित्रांश द्विवेदी (मंडल मंत्री), हर्षित झा, उत्कर्ष तिवारी, दीपक त्रिपाठी, धर्मेन्द्र खटीक, कबीर राव, महक सेन, संदीप नामदेव, सुशांत गुप्ता, राजू सेन, अनुज प्रताप सिंह, मुन्ना मास्टर, हर्ष श्रीवास्तव, मुस्कान विश्वकर्मा, अंजली विश्वकर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकारपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ ७3090.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित
प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव
फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718

झांसी में 75*75 फीट की भव्य रंगोली में दिखा विकसित भारत का चित्र

(यंग भारत न्यूज)

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' कार्यक्रम में केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं और बुंदेली संस्कृति का हुआ चित्रण

झांसी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'रंगोली राष्ट्र—सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई पार्क में किया गया। कार्यक्रम में 75म75 फीट की विशाल रंगोली आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। रंगोली के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों, ऐतिहासिक विरासत तथा बुंदेली संस्कृति को कलात्मक रूप से प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन झांसी जिले के प्रभारी मंत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह जी ने दीप प्रज्वलित कर तथा महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर किया। विशाल रंगोली में डिफेंस कार्रिडोर, आयुष्मान भारत योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, श्रीराम मंदिर, महारानी लक्ष्मीबाई का किला सहित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया। इसके साथ ही बुंदेली संस्कृति और झांसी की ऐतिहासिक पहचान को भी रंगोली में प्रमुखता से स्थान दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों ने विशाल रंगोली का अवलोकन किया और इसमें प्रदर्शित विभिन्न विषयों की जानकारी ली। इस अवसर पर एम एल सी रमा निरंजन, जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल , जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री रामनरेश तिवारी, डॉ अनिल राज, बदी त्रिपाठी, सहजेंद्र सिंह बघेल, गुड्डी रानी पटेल, दीपक त्रिपाठी, संदेव खरे, डॉ विष्णु राय, गुपेंद्र सिंह चौहान, ब्लॉक प्रमुख राजकांतेश वर्मा, आयूष श्रीवास्तव अध्यक्ष नगर पालिका प्रतिनिधि मऊरानीपुर आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के जिला संयोजक अमित चौरसिया ने बताया कि 'रंगोली राष्ट्र' के माध्यम से कला के जरिए विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्र निर्माण और स्थानीय संस्कृति को आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम ने झांसी की ऐतिहासिक विरासत और वर्तमान विकास कार्यों को एक साथ प्रस्तुत किया।



संबंधों को बचाए रखने का मंत्र

अपनी कमियाँ देखिए... और दूसरों की अच्छाइयाँ.....!

(यंग भारत न्यूज)

दोस्तों! रिश्ते अक्सर किसी बड़ी गलती से नहीं टूटते, वे छोटी-छोटी शिकायतों के बोझ तले धीरे-धीरे दम तोड़ देते हैं। जानते हैं क्यों..... ?? क्योंकि....हम दूसरों की एक गलती को इतनी आसानी से पकड़ लेते हैं, जैसे वही उनके पूरे व्यक्तित्व का परिचय हो। उनकी वर्षों की आत्मीयता, साथ, सहयोग और प्रेम हमारी एक नाराजगी के सामने अचानक छोटा पड़ जाता है। लेकिन हमने कभी यह भी सोचा है कि जिस व्यक्ति की कमी हमें इतनी स्पष्ट दिखाई दे रही है, क्या उसने कभी हमारी कमियाँ को भी इसी तरह देखा होगा..... ?? शायद नहीं..... !! क्योंकि हम अपनी गलतियों को परिस्थितियों के आड़ने में देखते हैं और दूसरों की गलतियों को उनके स्वभाव के आड़ने में...!

हम देर से पहुँचें तो हमारे पास दुनिया भर के कारण होते हैं।दूसरा देर से पहुँचे तो वह लापरवाह हो जाता है..... !! हम गुस्सा करें तो कहते हैं ‘मन बहुत परेशान था ‘, किंतु दूसरा गुस्सा करे तो हमें उसका स्वभाव बुरा दिखाई देने लगता है। दोस्तों...! यहीं से रिश्तों में दरार की पहली रेखा खिंचनी प्रारंभ होती है। यदि हमें रिश्तों को बचाना है तो सबसे पहले दूसरे को देखने से पहले स्वयं को देखना सीखना होगा। अपनी कमियाँ स्वीकार करना कमजोरी नहीं है अपितु, आत्मबोध है। ‘मुझसे गलती हुई’ यह बात कह देने से कोई छोटा नहीं हो जाता। अपितु कई पहलें सबसे बड़ी भूल यही होती है कि हम चाहते हैं कि.... पहले सामने वाला माफी माँगे.....! पहले वही बात करे.....! पहले वही अपनी गलती स्वीकार करे.....!

और इस ‘पहले वह’ के इंतजार में न जाने कितने ही रिश्ते मौन की दीवार के पीछे चले जाते हैं। कभी-कभी स्वयं से भी पूछना चाहिए कि..... ‘क्या इस बहस में सही साबित होना मेरे लिए उस रिश्ते से अधिक महत्वपूर्ण है..... ???’ यदि उत्तर ‘ नहीं’ है, तो शायद हमारे एक कदम पीछे हट जाना ही समझदारी है। क्योंकि दोस्तों...!हर बहस में जीतना ही जरूरी नहीं होता। कुछ बहस ऐसी होती हैं जिन्हें छोड़ देना ही रिश्ते को वास्तविक जीत होती है। इसीलिए....दूसरों की अच्छाइयों को देखना सीखिए क्योंकि, हर व्यक्ति पूर्ण नहीं होता। किसी में धैर्य अधिक होगा तो किसी में संवेदनशीलता। कोई अपनी भावनाएँ खुलकर व्यक्त करता है तो कोई चुप रहकर प्रेम जाता है। किसी की भाषा कठोर हो सकती है, लेकिन उसके मन में अपनत्व भाव गहरा हो सकता है। यदि हम सिर्फ कमियाँ ही तलाशते रहेंगे, तो कोई भी व्यक्ति हमें पर्याप्त अच्छा नहीं लगेगा। इसके विपरीत जब हम उसकी अच्छाइयों पर ध्यान देने लगते हैं,तब वही व्यक्ति हमें अलग दिखाई देने लगता है। कई बार व्यक्ति नहीं बदलता, सिर्फ उसे देखने वाला हमारा दृष्टिकोण बदल जाता है। और यही दृष्टिकोण रिश्तों की दिशा बदल देता है। किसी ने वर्षों हमारा साथ दिया हो और एक दिन हमारी अपेक्षा पूरी न कर पाए, ऐसे में उस एक क्षण को उसके पूरे व्यवहार का प्रमाण बना देना उचित नहीं.....! किसी की एक भूल को याद रखकर उसकी सौ अच्छाइयों को भूल जाना हमारे अपने मन मस्तिष्क के साथ भी अन्याय है। रिश्ते अपेक्षाओं से नहीं, स्वीकार्यता से गहरे होते हैं हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें बिना कुछ कहे समझे, हमारी प्रत्येक भावना को अनुभव करे और संदेव हमारी इच्छानुसार व्यवहार करे। किन्तु यह भी भान रखना जरूरी है कि,सामने वाला भी हमारी तरह एक मनुष्य ही है अपनी सीमाओं, कमजोरियों, परिस्थितियों और संघर्षों के साथ। प्रेम का अर्थ यह नहीं कि हम किसी व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार बदल दें। अपितु प्रेम का अर्थ उसकी अच्छाइयों को

श्रद्धा और विश्वास से भक्ति करने पर ही कल्याण संभव-ऋषि जी सरकार

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। पितृ पक्ष के उपलक्ष्य में संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन 04 अक्टूबर से ग्वालियर –कानपुर बाईपास हाईवे रोड स्थित सम्राटन अशोक सिटी में किया जा रहा है। श्री संकट मोचन सरकार पीठाधीश कथा व्यास श्री ऋषि जी सरकार ने चतुर्थ दिवस पर संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का बखान करते हुए कहा कि ईश्वर की भक्ति तो सभी करते हैं, लेकिन श्रद्धा और विश्वास होने पर ही कल्याण संभव है। इसलिए घंटों दिखावे के लिए पूजा अर्चना करने से अच्छा पूर्ण आस्था और विश्वास से एक बार ईश्वर का स्मरण करना ही बहुत है।इसके पूर्व कथा पारीछत श्रीमति निशी –संजय चौरसिया ने परिजनों सहित श्रीमद भागवत ग्रन्थ की आरती उतारी। इस अवसर पर रंशम राय, वंदिता अग्रवाल, अनीता वर्मा, नीलम सिंह,ऋचा तिवारी, साधना व्यास, पुष्पा निरंजन सहित भारी संख्या में कालोनीवासी , राजेंद्र चौरसिया,अनुज चौरसिया, शंकां,संदीप चौरसिया, पूर्वा,संदीप चौरसिया, विभा, दिलीप चौरसिया, गीतान्शी, प्रदीप चौरसिया,सरोज,डॉ राजेश चौरसिया एड, ममता चौरसिया,आरडब्ल्यूए अध्यक्ष विनय उपाध्याय ,अर्पित राय,नव्या, ईशान, शैव्या, दिवित,अध्या, काशवी, नीवा आदि सहित अन्य भक्तगण उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत तालबेहट में बेसिक की शिक्षिकाओं ने भव्य रंगोली बनाकर दिया जागरूकता का संदेश ब्लॉक मुख्यालय पर मनाया गया रंगारंग सेवा संकल्प अभियान

(यंग भारत न्यूज)

तालबेहट। ललितपुर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड तालबेहट में बेसिक शिक्षा विभाग की शिक्षिकाओं द्वारा विभिन्न जनजागरूकता संदेशों से सुसज्जित भव्य रंगोली बनाकर लोगों को जागरूक किया गया। रंगोली के माध्यम से समाज में शिक्षा, स्वच्छता, नारी सम्मान, बेटियों की शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जिम्मेदारियों तथा देश के चहुमुखी विकास के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी तालबेहट तथा खंड शिक्षा अधिकारी तालबेहट की प्रमुख भूमिका रही। अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से बेसिक शिक्षा विभाग की शिक्षिकाओं ने पूरे उत्साह और रचनात्मकता के साथ अभियान में सहभागिता की। आकर्षक रंगों और मनमोहक आकृतियों से तैयार की गई रंगोलियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी हरगोविंद ने कहा कि मा प्रधानमंत्री जी का सेवा संकल्प अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने का माध्यम है। ऐसे रचनात्मक आयोजनों के माध्यम से संदेश अधिक प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचता है। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग की शिक्षिकाओं द्वारा किए गए प्रयास का सराहना करते हुए कहा कि शिक्षिकाएं विद्यालय में बच्चों को शिक्षा देने के साथ-साथ समाज में जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी सरम सिंह गौर ने कहा कि शिक्षक समाज का मार्गदर्शक होता है और शिक्षिकाओं द्वारा रंगोली के माध्यम से दिए गए जागरूकता संदेश समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सरोकारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से लोगों को अपने आसपास स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता के संकल्प को दोहराते हुए अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रमी ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना महिला एवं बाल विकास योजना महिला शक्ति समुद्र अधिनियम स्वास्थ्य योजना मेक इन इंडिया आदि योजनाएं जो प्रधानमन्त्री श्री नरेंद्र मोदी जी की ड्रीम संकल्पनायें हैं और बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ, ‘स्वच्छता अपनाए’, स्वस्थ समाज बनाएं सहित विभिन्न जनहितकारी संदेशों को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया। रंगोली देखने पहुंचे लोगों ने शिक्षिकाओं की रचनात्मक पहल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने सेवा, समर्पण और सामाजिक जागरूकता के संकल्प को दोहराते हुए अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग का प्रयास दिलाया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि जब प्रशासन, शिक्षा विभाग और समाज मिलकर कार्य करते हैं तो जनजागरूकता के प्रयास अधिक प्रभावी और व्यापक बनते हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम तालबेहट क्षेत्र में शिक्षा विभाग की सामाजिक भागीदारी और जनजागरूकता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आया। इस अनूठे व विशाल रचनात्मक कार्यक्रम में रंगोली बनाने वाली शिक्षिकाओं की सभी ने प्रशंसा की। अंत में खण्ड विकास अधिकारी ने सभी का आभार व्यक्त किया



एक कदम पीछे हट जाना ही समझदारी है।

क्योंकि दोस्तों...!हर बहस में जीतना ही जरूरी नहीं होता।

कुछ बहस ऐसी होती हैं जिन्हें छोड़ देना ही रिश्ते को वास्तविक जीत होती है। इसीलिए....दूसरों की अच्छाइयों को देखना सीखिए क्योंकि, हर व्यक्ति पूर्ण नहीं होता।

किसी में धैर्य अधिक होगा तो किसी में संवेदनशीलता। कोई अपनी भावनाएँ खुलकर व्यक्त करता है तो कोई चुप रहकर प्रेम जाता है। किसी की भाषा कठोर हो सकती है, लेकिन उसके मन में

अपनत्व भाव गहरा हो सकता है। यदि हम सिर्फ कमियाँ ही तलाशते रहेंगे, तो कोई भी व्यक्ति हमें पर्याप्त अच्छा नहीं लगेगा। इसके विपरीत जब हम उसकी अच्छाइयों पर ध्यान देने लगते हैं,तब वही व्यक्ति हमें

अलग दिखाई देने लगता है। कई बार व्यक्ति नहीं बदलता, सिर्फ उसे देखने वाला हमारा दृष्टिकोण बदल जाता है। और यही दृष्टिकोण रिश्तों की दिशा बदल देता है। किसी ने वर्षों हमारा साथ दिया हो और एक दिन हमारी अपेक्षा पूरी न कर पाए, ऐसे में उस एक क्षण को उसके पूरे व्यवहार का प्रमाण बना देना उचित नहीं.....! किसी की एक भूल को याद रखकर उसकी सौ अच्छाइयों को भूल जाना हमारे अपने मन मस्तिष्क के साथ भी अन्याय है। रिश्ते अपेक्षाओं से नहीं, स्वीकार्यता से गहरे होते हैं हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें बिना कुछ कहे समझे, हमारी प्रत्येक भावना को अनुभव करे और संदेव हमारी इच्छानुसार व्यवहार करे। किन्तु यह भी भान रखना जरूरी है कि,सामने वाला भी हमारी तरह एक मनुष्य ही है अपनी सीमाओं, कमजोरियों, परिस्थितियों और संघर्षों के साथ। प्रेम का अर्थ यह नहीं कि हम किसी व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार बदल दें। अपितु प्रेम का अर्थ उसकी अच्छाइयों को

एक कदम पीछे हट जाना ही समझदारी है।

क्योंकि दोस्तों...!हर बहस में जीतना ही जरूरी नहीं होता।

कुछ बहस ऐसी होती हैं जिन्हें छोड़ देना ही रिश्ते को वास्तविक जीत होती है। इसीलिए....दूसरों की अच्छाइयों को देखना सीखिए क्योंकि, हर व्यक्ति पूर्ण नहीं होता।

किसी में धैर्य अधिक होगा तो किसी में संवेदनशीलता। कोई अपनी भावनाएँ खुलकर व्यक्त करता है तो कोई चुप रहकर प्रेम जाता है। किसी की भाषा कठोर हो सकती है, लेकिन उसके मन में

अपनत्व भाव गहरा हो सकता है। यदि हम सिर्फ कमियाँ ही तलाशते रहेंगे, तो कोई भी व्यक्ति हमें पर्याप्त अच्छा नहीं लगेगा। इसके विपरीत जब हम उसकी अच्छाइयों पर ध्यान देने लगते हैं,तब वही व्यक्ति हमें

अलग दिखाई देने लगता है। कई बार व्यक्ति नहीं बदलता, सिर्फ उसे देखने वाला हमारा दृष्टिकोण बदल जाता है। और यही दृष्टिकोण रिश्तों की दिशा बदल देता है। किसी ने वर्षों हमारा साथ दिया हो और एक दिन हमारी अपेक्षा पूरी न कर पाए, ऐसे में उस एक क्षण को उसके पूरे व्यवहार का प्रमाण बना देना उचित नहीं.....! किसी की एक भूल को याद रखकर उसकी सौ अच्छाइयों को भूल जाना हमारे अपने मन मस्तिष्क के साथ भी अन्याय है। रिश्ते अपेक्षाओं से नहीं, स्वीकार्यता से गहरे होते हैं हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें बिना कुछ कहे समझे, हमारी प्रत्येक भावना को अनुभव करे और संदेव हमारी इच्छानुसार व्यवहार करे। किन्तु यह भी भान रखना जरूरी है कि,सामने वाला भी हमारी तरह एक मनुष्य ही है अपनी सीमाओं, कमजोरियों, परिस्थितियों और संघर्षों के साथ। प्रेम का अर्थ यह नहीं कि हम किसी व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार बदल दें। अपितु प्रेम का अर्थ उसकी अच्छाइयों को

एक कदम पीछे हट जाना ही समझदारी है।

क्योंकि दोस्तों...!हर बहस में जीतना ही जरूरी नहीं होता।

कुछ बहस ऐसी होती हैं जिन्हें छोड़ देना ही रिश्ते को वास्तविक जीत होती है। इसीलिए....दूसरों की अच्छाइयों को देखना सीखिए क्योंकि, हर व्यक्ति पूर्ण नहीं होता।

किसी में धैर्य अधिक होगा तो किसी में संवेदनशीलता। कोई अपनी भावनाएँ खुलकर व्यक्त करता है तो कोई चुप रहकर प्रेम जाता है। किसी की भाषा कठोर हो सकती है, लेकिन उसके मन में

अपनत्व भाव गहरा हो सकता है। यदि हम सिर्फ कमियाँ ही तलाशते रहेंगे, तो कोई भी व्यक्ति हमें पर्याप्त अच्छा नहीं लगेगा। इसके विपरीत जब हम उसकी अच्छाइयों पर ध्यान देने लगते हैं,तब वही व्यक्ति हमें

अलग दिखाई देने लगता है। कई बार व्यक्ति नहीं बदलता, सिर्फ उसे देखने वाला हमारा दृष्टिकोण बदल जाता है। और यही दृष्टिकोण रिश्तों की दिशा बदल देता है। किसी ने वर्षों हमारा साथ दिया हो और एक दिन हमारी अपेक्षा पूरी न कर पाए, ऐसे में उस एक क्षण को उसके पूरे व्यवहार का प्रमाण बना देना उचित नहीं.....! किसी की एक भूल को याद रखकर उसकी सौ अच्छाइयों को भूल जाना हमारे अपने मन मस्तिष्क के साथ भी अन्याय है। रिश्ते अपेक्षाओं से नहीं, स्वीकार्यता से गहरे होते हैं हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें बिना कुछ कहे समझे, हमारी प्रत्येक भावना को अनुभव करे और संदेव हमारी इच्छानुसार व्यवहार करे। किन्तु यह भी भान रखना जरूरी है कि,सामने वाला भी हमारी तरह एक मनुष्य ही है अपनी सीमाओं, कमजोरियों, परिस्थितियों और संघर्षों के साथ। प्रेम का अर्थ यह नहीं कि हम किसी व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार बदल दें। अपितु प्रेम का अर्थ उसकी अच्छाइयों को

एक कदम पीछे हट जाना ही समझदारी है।

क्योंकि दोस्तों...!हर बहस में जीतना ही जरूरी नहीं होता।

कुछ बहस ऐसी होती हैं जिन्हें छोड़ देना ही रिश्ते को वास्तविक जीत होती है। इसीलिए....दूसरों की अच्छाइयों को देखना सीखिए क्योंकि, हर व्यक्ति पूर्ण नहीं होता।

किसी में धैर्य अधिक होगा तो किसी में संवेदनशीलता। कोई अपनी भावनाएँ खुलकर व्यक्त करता है तो कोई चुप रहकर प्रेम जाता है। किसी की भाषा कठोर हो सकती है, लेकिन उसके मन में

अपनत्व भाव गहरा हो सकता है। यदि हम सिर्फ कमियाँ ही तलाशते रहेंगे, तो कोई भी व्यक्ति हमें पर्याप्त अच्छा नहीं लगेगा। इसके विपरीत जब हम उसकी अच्छाइयों पर ध्यान देने लगते हैं,तब वही व्यक्ति हमें

अलग दिखाई देने लगता है। कई बार व्यक्ति नहीं बदलता, सिर्फ उसे देखने वाला हमारा दृष्टिकोण बदल जाता है। और यही दृष्टिकोण रिश्तों की दिशा बदल देता है। किसी ने वर्षों हमारा साथ दिया हो और एक दिन हमारी अपेक्षा पूरी न कर पाए, ऐसे में उस एक क्षण को उसके पूरे व्यवहार का प्रमाण बना देना उचित नहीं.....! किसी की एक भूल को याद रखकर उसकी सौ अच्छाइयों को भूल जाना हमारे अपने मन मस्तिष्क के साथ भी अन्याय है। रिश्ते अपेक्षाओं से नहीं, स्वीकार्यता से गहरे होते हैं हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें बिना कुछ कहे समझे, हमारी प्रत्येक भावना को अनुभव करे और संदेव हमारी इच्छानुसार व्यवहार करे। किन्तु यह भी भान रखना जरूरी है कि,सामने वाला भी हमारी तरह एक मनुष्य ही है अपनी सीमाओं, कमजोरियों, परिस्थितियों और संघर्षों के साथ। प्रेम का अर्थ यह नहीं कि हम किसी व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार बदल दें। अपितु प्रेम का अर्थ उसकी अच्छाइयों को

एक कदम पीछे हट जाना ही समझदारी है।

क्योंकि दोस्तों...!हर बहस में जीतना ही जरूरी नहीं होता।

कुछ बहस ऐसी होती हैं जिन्हें छोड़ देना ही रिश्ते को वास्तविक जीत होती है। इसीलिए....दूसरों की अच्छाइयों को देखना सीखिए क्योंकि, हर व्यक्ति पूर्ण नहीं होता।

किसी में धैर्य अधिक होगा तो किसी में संवेदनशीलता। कोई अपनी भावनाएँ खुलकर व्यक्त करता है तो कोई चुप रहकर प्रेम जाता है। किसी की भाषा कठोर हो सकती है, लेकिन उसके मन में

अपनत्व भाव गहरा हो सकता है। यदि हम सिर्फ कमियाँ ही तलाशते रहेंगे, तो कोई भी व्यक्ति हमें पर्याप्त अच्छा नहीं लगेगा। इसके विपरीत जब हम उसकी अच्छाइयों पर ध्यान देने लगते हैं,तब वही व्यक्ति हमें

अलग दिखाई देने लगता है। कई बार व्यक्ति नहीं बदलता, सिर्फ उसे देखने वाला हमारा दृष्टिकोण बदल जाता है। और यही दृष्टिकोण रिश्तों की दिशा बदल देता है। किसी ने वर्षों हमारा साथ दिया हो और एक दिन हमारी अपेक्षा पूरी न कर पाए, ऐसे में उस एक क्षण को उसके पूरे व्यवहार का प्रमाण बना देना उचित नहीं.....! किसी की एक भूल को याद रखकर उसकी सौ अच्छाइयों को भूल जाना हमारे अपने मन मस्तिष्क के साथ भी अन्याय है। रिश्ते अपेक्षाओं से नहीं, स्वीकार्यता से गहरे होते हैं हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें बिना कुछ कहे समझे, हमारी प्रत्येक भावना को अनुभव करे और संदेव हमारी इच्छानुसार व्यवहार करे। किन्तु यह भी भान रखना जरूरी है कि,सामने वाला भी हमारी तरह एक मनुष्य ही है अपनी सीमाओं, कमजोरियों, परिस्थितियों और संघर्षों के साथ। प्रेम का अर्थ यह नहीं कि हम किसी व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार बदल दें। अपितु प्रेम का अर्थ उसकी अच्छाइयों को